संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, मंगलवार, 23 जनवरी 2024 | ₹ 2 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RNI : UTTHIN/2009/31653

वर्षः 15 अंकः 23 पृष्ठः 08

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जय श्रीराम एक्शन इंडिया

'हमारे रामलला अब टेंट में नहीं रहेंगे, प्रभु दिव्य मंदिर में रहेंगे'

श्रीराम आ गए

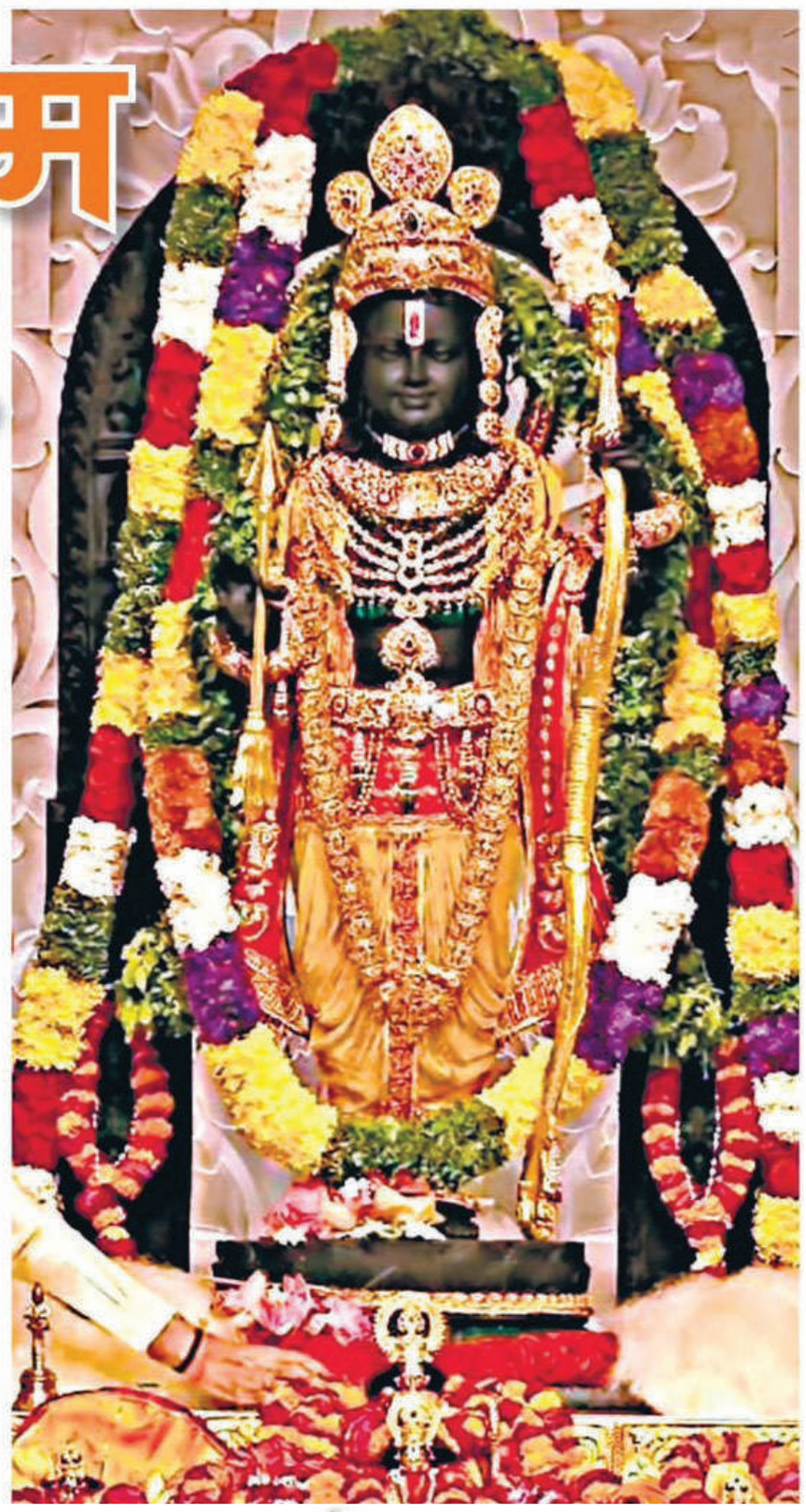

टीम एक्शन इंडिया/अयोध्या

लंबे बरसे के बाद आखिरकार अयोध्या में रामलला विराजमान हो गए हैं। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में देशभर की कई बड़ी हस्तियों ने शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने वहां मौजूद लोगों को संबोधित किया। अपने भाषण की शुरूआत उन्होंने सियावर रामचंद्र की जय के जयकारे के साथ की।

आज हमारे राम आ गए हैं: कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि सियावर रामचंद्र की जय! आपको सबको प्रणाम, सबको राम-राम! आज हमारे राम आ गए हैं। उन्होंने कहा कि सदियों की प्रतीक्षा के बाद हमारे राम आ गए हैं। सदियों का अभूतपूर्व धैर्य, अनगिनत बलिदान, त्याग और तपस्या के बाद हमारे प्रभु राम आ गए हैं। इस शुभ घड़ी की आप सभी को, समस्त देशवासियों को बधाई। मैं गर्भगृह में ईश्वरीय चेतना का साक्षी बनकर आपके सामने उपस्थित हुआ हूं।

शरीर स्पंदित है, चित्त अभी भी उस पल में लीन है: उन्होंने कहा कि कितना कुछ कहने को है, लेकिन कंठ अवरूद्ध है, शरीर स्पंदित है, चित्त अभी भी उस पल में लीन है। हमारे रामलला अब टेंट में नहीं रहेंगे। हमारे रामलला अब दिव्य मंदिर में रहेंगे। मेरा पक्का विश्वास है, अपार श्रद्धा है, जो घटित हुआ है, इसकी अनुभूति देश और विश्व के कोने-कोने में राम भक्तों को हो रही होगी। यह क्षण आलौकिक है। यह पल पवित्रतम है। यह माहौल, वातावरण, यह घड़ी, प्रभु श्रीराम का हम सब पर आशीर्वाद है।

दिव्य आत्माओं की वजह से यह कार्य पूरा हुआ है: पीएम मोदी अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि दैवीय आशीर्वाद और दिव्य आत्माओं की वजह से यह कार्य पूरा हुआ है। मैं इन सभी दिव्य चेतनाओं को भी नमन करता हूं। मैं आज प्रभु श्रीराम से क्षमा याचना भी करता हूं। हमारे पुरुषार्थ, हमारे त्याग, तपस्या में कुछ तो कमी रह गई होगी कि हम इतनी सदियों तक ये कार्य कर नहीं पाए। आज वो कमी पूरी हुई है। मुझे विश्वास है कि प्रभु राम आज हमें अवश्य क्षमा करेंगे। लंबे वियोग से आई आपत्ति का अंत हो गया है।

प्राण प्रतिष्ठा

- कई पीढ़ियों ने वियोग सहा है: पीएम मोदी
- शरीर स्पंदित है, चित्त अभी भी उस पल में लीन है: मोदी
- राम सिर्फ हमारे नहीं, सबके हैं

राम आग नहीं, ऊर्जा हैं: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि राम के इस काम में कितने ही लोगों ने त्याग और तपस्या की। अनगिनत लोगों, कारसेवकों, संत-महात्माओं के हम सब पर ऋण हैं। आज का अवसर उत्सवता का क्षण तो है ही, लेकिन यह क्षण भारतीय समाज की परिपक्वता के बोध का भी क्षण है। यह अवसर सिर्फ विजय का नहीं, विनय का भी है। दुनिया का इतिहास साक्षी है कि कई राष्ट्र अपने इतिहास में उलझ जाते हैं, जब देशों ने उलझी हुई गांठों को खोलने का प्रयास किया तो उन्हें सफलता पाने में कठिनाई आई है। लेकिन हमारे देश ने इतिहास की इस गांठ को जिस गंभीरता और भावुकता के साथ खोला है। यह बताता है कि हमारा भविष्य, हमारे अतीत से सुंदर होने जा रहा है।

कालचक्र बदल रहा है: पीएम

श्रीराम का भव्य मंदिर बन गया, अब आगे क्या- पीएम मोदी: संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि आज अयोध्या भूमि सवाल कर रही है कि श्रीराम का भव्य मंदिर तो बन गया, अब आगे क्या। सदियों का इंतजार तो खत्म हुआ, अब आगे क्या। जो दैवीय आत्माएं हमें आशीर्वाद देने उपस्थित हुई हैं, उन्हें क्या हम ऐसे ही विदा करेंगे। आज मैं पूरे पवित्र मन से महसूस कर रहा हूं कि कालचक्र बदल रहा है। हमारी पीढ़ी को कालजयी शिल्पकार के रूप में चुना गया है। हजारों वर्ष बाद की पीढ़ी हमें याद करेगी। यही समय है, सही समय है। हमें आज इस पवित्र समय से अगले एक हजार साल के भारत की नींव रखनी है।

'राम विवाद नहीं, राम समाधान हैं'

पीएम ने कहा कि वो भी एक समय था, जब कुछ लोग कहते थे कि राम मंदिर बना तो आग लग जाएगी। ऐसे लोग भारत के सामाजिक भाव की पवित्रता को नहीं जानते थे। रामलला के इस मंदिर का निर्माण भारतीय समाज के शांति, धैर्य, आपसी सद्भाव का प्रतीक है। हम देख रहे हैं कि निर्माण किसी आग को नहीं, बल्कि ऊर्जा को जन्म दे रहा है। अपनी सोच पर पुनर्विचार कीजिए, राम आग नहीं हैं, ऊर्जा हैं। राम विवाद नहीं, राम समाधान हैं। राम सिर्फ हमारे नहीं, राम सबके हैं। राम वर्तमान ही नहीं, राम अनंत हैं।

'यह सिर्फ दैव मंदिर नहीं बल्कि दिग्दर्शन का मंदिर है'

यह मंदिर मात्र एक दैव मंदिर नहीं है, यह भारत की दृष्टि का, दर्शन का, दिग्दर्शन का मंदिर है। यह राम के रूप में राष्ट्र चेतना का मंदिर है। राम भारत की आस्था हैं, भारत के आधार हैं।

अब ऐसे दिख रहे राम लला: स्वर्णिम मुकुट, हार और धनुष, प्राण प्रतिष्ठा के समय मन मोहने वाला श्रृंगार

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

अयोध्या में आखिर रामलला विराजमान हो गए। पूरे विधि-विधान के साथ भगवान के बाल रूप की प्राण प्रतिष्ठा हुई। इसी बीच रामलला की मूर्ति की बेहद खास तस्वीरें सामने आई हैं। श्रृंगार युक्त मूर्ति में भगवान के पूरे स्वरूप को देखा जा सकता है। तस्वीर में रामलला माथे पर तिलक लगाए बेहद सौम्य मुद्रा में दिख रहे हैं।

रामलला की मूर्ति की क्या विशेषता है?

भगवान राम के बाल रूप की मूर्ति को गर्भ गृह में स्थापना के बाद सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा कर दी गई है। तस्वीर में रामलला माथे पर तिलक लगाए बेहद सौम्य मुद्रा में दिख रहे हैं। आभूषण और वस्त्रों से सुसज्जित रामलला के चेहरे पर भक्तों का मन मोह लेने वाली मुस्कान दिखाई दे रही है। कानों में कुंडल तो पैरों में कड़े पहने हुए हैं। मूर्ति के नीचे आभामंडल में चारों भाइयों राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न की छोटी-छोटी मूर्तियों की पूजा की गई है।

करीब 200 किलोग्राम वजनी है मूर्ति: मूर्ति की विशेषताएं देखें तो इसमें कई तरह की खूबियां हैं। मूर्ति का वजन करीब 200 किलोग्राम है। इसकी कुल ऊंचाई 4.24 फीट, जबकि चौड़ाई तीन फीट है। कमल दल पर खड़ी मुद्रा में मूर्ति, हाथ में तीर और धनुष है। कृष्ण शैली में मूर्ति बनाई गई है। मूर्ति श्याम शिला से बनाई गई है, जिसकी आयु हजारों साल होती है। मूर्ति को जल से कोई नुकसान नहीं होगा। चंदन, रोली आदि लगाने से भी मूर्ति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

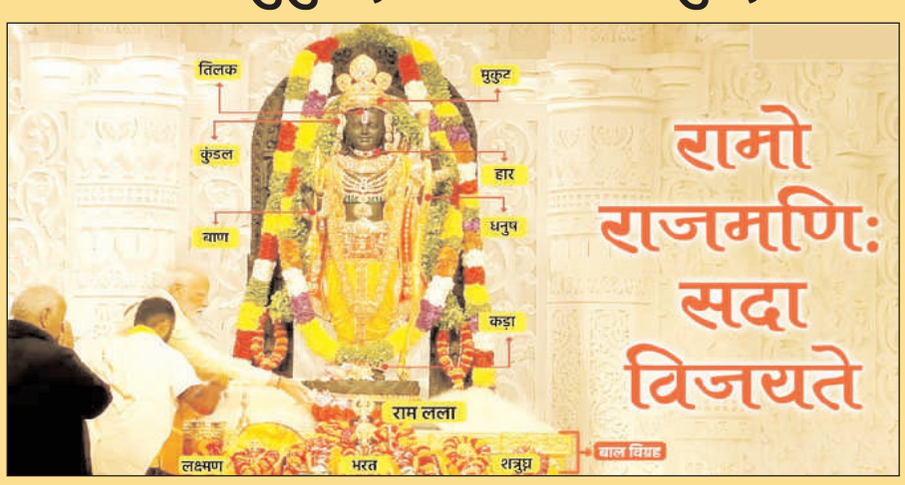

और क्या खास है?: रामलला के चारों ओर आभामंडल है। मूर्ति के ऊपर स्वास्तिक, ॐ, चक्र, गदा, सूर्य भगवान विराजमान हैं। श्रीराम की भुजाएं घुटनों तक लंबी हैं। मस्तक सुंदर, आंखें बड़ी और ललाट भव्य है। भगवान राम का दाहिना हाथ आशीर्वाद की मुद्रा में है। मूर्ति में भगवान विष्णु के 10 अवतार दिखाई दे रहे हैं। मूर्ति नीचे एक ओर भगवान राम के अनन्य भक्त हनुमान जी तो दूसरी ओर गरुड़ जी को उकेरा गया है।

मूर्ति में पांच साल के बच्चे की बाल सुलभ कोमलता झलक रही है। मूर्ति को मूर्तिकार अरुण योगीराज ने बनाया है। इससे पहले श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अधिकारियों ने जानकारी दी थी कि जिस मूर्ति का चयन हुआ उसमें बालत्व, देवत्व और एक राजकुमार तीनों की छवि दिखाई दे रही है।

कठिन था मूर्ति का चयन

अयोध्या के श्रीराम मंदिर में तीन मूर्तियों को स्थापित किया गया हैं, जिसमें से एक मूर्ति को गर्भगृह में स्थापित किया गया है। इनके बनने के बाद सबसे बड़ा सवाल तो यह था कि गर्भ गृह में किस रूप में रामलला विराजमान होंगे। मूर्तिकारों ने तीनों मूर्तियों को इतना सुंदर बनाया कि चयन करना कठिन हो रहा था कि कौन सी सुंदर है और कौन सी उतनी नहीं है। अंततः बाल रूप वाली मूर्ति को राम मंदिर के गर्भ गृह में विराजने का फैसला लिया गया।

मुख्यमंत्री धामी ने रामचरितमानस का किया पाठ, गौशाला पहुंचकर की गौमाता की सेवा

कामना

8 धामी ने प्रदेशवासियों के मंगल और पूरे विश्व में रह रहे सभी सनातनियों के कल्याण की कामना की

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री ने सोमवार प्रातः काल मुख्यमंत्री आवास स्थित देवालय में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर रामचरितमानस की चौपाइयों का पाठ किया। इसके उपरांत उन्होंने आवास परिसर में स्थित गौशाला पहुंचकर गौ माता की सेवा भी की।
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस दिव्य अवसर पर प्रभु राम से प्रदेशवासियों के मंगल और पूरे विश्व में रह रहे सभी सनातनियों के कल्याण की कामना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में श्री राम मंदिर के रूप में सनातन संस्कृति के वैभव की पुनर्स्थापना का साक्षी बनना हम सभी के लिए परम सौभाग्य का क्षण है।
मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि 500 वर्षों के लंबे संघर्ष और अनेक रामभक्तों के बलिदानों के बाद इस भव्य व दिव्य महोत्सव का साक्षी बनकर अत्यंत प्रफुल्लित व हर्षित हूं। राम जन-जन के हैं, राम हर कण में हैं। इस पावन अवसर पर चहुंदिश आनंद, उत्साह और उल्लास है। संपूर्ण जगत में एक अलग ही तरंग और उमंग है।
मुख्यमंत्री ने समस्त प्रदेशवासियों से घरों, सामाजिक स्थानों व धार्मिक स्थलों को साफ सूथरा रखने और इस पावन अवसर को पर्व की भांति मनाने का आह्वान किया। उन्होंने सभी से भावी पीढ़ी को इस संघर्ष और प्रभु राम के जीवन से परिचित कराने के लिए उन्हें इसके विषय में अवगत कराने की अपील भी की।

श्रीराम सनातन संस्कृति के आधारः गुप्ता

विराजमान

8 -प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व के कारण ही श्रीराम मंदिर निर्माण हुआ संभव

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
भगवान श्रीराम सनातन संस्कृति का आधार और विश्व में मयार्दा के आदर्श हैं। श्रीराम के बिना जीवन की संकल्पना भी नहीं की जा सकती। आज भगवान श्री राम अपने दिव्य व भव्य मंदिर में विराजमान हो गए हैं। यह सभी सनातनियों के लिए परम सौभाग्यशाली दिन है। आज प्रत्येक सनातनी का हृदय आनन्द से परिपूर्ण है। यह सब आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व व उनकी नीतियों के कारण ही संभव हो पाया है।
कनखल श्रीराम लीला मैदान में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर आयोजित सुन्दर कांड पाठ के दौरान उपस्थित से भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व विधायक संजय गुप्ता ने कहा कि हम सब सौभाग्यशाली हैं, जो इस दिन के गवाह बनने का अवसर परमात्मा ने हमें प्रदान किया। हमारी कितनी पीढ़ियां श्रीराम मंदिर की अभिलाषा लेकर चली गईं। अनगिनत लोगों ने श्री राम मंदिर के लिए बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि श्रीराम लला आज अपने मंदिर में विराजमान हो चुके हैं। यह सब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दृढ़ इच्छा शक्ति और कुशल नेतृत्व के कारण ही संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर असीम कृपा है। भगवान की कृपा और जनता के आशीर्वाद से इस बार चुनावों में भाजपा 400 का आंकड़ा पार कर देश में पुनः राम राज्य की स्थापना करेंगी। यह सब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में ही संभव होगा।
इस दौरान सांसद डा. रमेश पोखरियाल निशंक ने कहाकि आज का दिन खुशी का दिन है। जो खुशी हम सभी के हृदय में है, उसका शब्दों में नहीं कहा जा सकता है। आमजन मंदिर मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह को देख सकें इसके लिए उन्होंने झण्डा चौक पर स्क्रीन लगाकर राम भक्तों को प्राण प्रतिष्ठा का लाइव टेलीकास्ट दिखवाया। इसके पश्चात भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों की संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया।

न्यूज फ्लैश

लटूरिया आश्रम में रामायण पाठ जारी

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
अयोध्या में श्रीराम भगवान के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर बरेली रोड स्थित लटूरिया आश्रम में अखंड रामायण का पाठ किया गया। सोमवार को दूसरे दिन भी पाठ जारी रहा। लटूरिया आश्रम समिति संरक्षक सतीश अग्रवाल ने बताया कि आज मंदिर प्रांगण में लगी एलईडी स्क्रीन में अयोध्या मंदिर का सीधा प्रसारण दिखाया जाएगा। आगरा से आए शहनाई वाले समारोह में आकर्षण का केंद्र रहेंगे।
इस दौरान अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, प्रेम गुप्ता, विपिन गुप्ता, विनय विरमान, राजीव अग्रवाल, नवयुवक संघ समिति के हरीश पूरी, राम निवास गुप्ता, नीरज प्रभात गर्ग, संगम जयसवाल, सुनील गोयल आदि मौजूद रहे।

पांच शताब्दियों का इंतजार हुआ खत्म, श्रीराम लला हुए भव्य मंदिर में हुए प्रतिष्ठापित, तीर्थनगरी का कण-कण हुआ राममय

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
पांच सौ वर्षों के लम्बे संघर्ष के पश्चात आज भगवान श्रीराम लल्ला अपने भव्य व दिव्य मंदिर में पधार गए हैं। भगवान की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के बाद जहां समूचे देश में उत्सव का माहौल रहा वहीं तीर्थनगरी हरिद्वार भी इस उत्सव के आनन्द से अछूती नहीं रही। जगह-जगह भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर में प्रतिष्ठापित होने की खुशी में तीर्थनगरी का कण-कण मानो राममय हो गया हो। चहुंओर भगवान श्रीराम के जयघोष से तीर्थनगरी गुंजायमान रही।
करीब पांच सौ वर्षों के लम्बे संघर्ष और लाखों बलिदानों के बाद आज भगवान श्रीराम लल्ला अपने भव्य व दिव्य मंदिर में प्रतिष्ठित हुए। भगवान में मंदिर में प्रतिष्ठित होने और प्राण प्रतिष्ठा की प्रक्रिया आरम्भ होने के बाद से ही तीर्थनगरी में जगह-जगह उत्सव मनाया जाने लगा था। तीर्थनगरी में जगह-जगह सजावट की गई है, लेकिन बीते दो दिनों से तीर्थनगरी पूरी तरह से जगमगा उठी। दुल्हन की तरह सजी तीर्थनगरी से चहुंओर जय श्रीराम के जयघोष सुनाई दे रहे थे। लगातार शोभायात्राएं निकालने का क्रम अनवरत जारी रहा।
सोमवार को भी प्रातः से ही तीर्थनगरी में उत्सव व उल्लास का माहौल रहा। प्रातः गली-मोहल्लों, घरों, देवालयों, आश्रम-अखाड़ों में कहीं सुन्दर कांड पाठ का आयोजन किया गया तो कहीं सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। कई स्थानों पर अखण्ड राम चरित मानस के पाठ के आयोजन हुए। कई स्थानों पर श्री राम धुन के स्वर सुनाई दिए।
इतना ही नहीं भगवान श्रीराम के आने की खुशी में समूचे शहर में दीपावली जैसा उत्सव मनाया गया। जैसे की प्राण प्रतिष्ठा हुई वैसे ही तीर्थनगरी आतिशबाजी से गुंजायमान हो गई। भगवान के आगमन की खुशी में जगह-जगह मिष्ठान बांटकर खुशी मनाई गई तथा एक-दूसरे को बधाई दी गई। कई स्थानों पर भण्डारे का आयोजन किया गया। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पर तीर्थनगरी का कोई ऐसा स्थान नहीं रहा जहां उत्सव जैसा माहौल न हो। समूची तीर्थनगरी में जगह-जगह तोरण द्वार, पताकाएं लगाकर भगवान का स्वागत किया गया। प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात कनखल स्थित श्री दरिद्रभंजन महादेव, श्रीराधा कृष्ण मंदिर, श्रीराम मंदिर, हनुमान मंदिर, गंगाघाटों पर विशेष आयोजन किए गए व शोभायात्रा निकाली गई। लोगों के उत्साह व उल्लास के कारण समूची तीर्थनगरी ऐसी प्रतीत हो रही थी, मानो यहां का कण-कण राममय हो गया हो। सांयकाल मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी हरकी पैड़ी पर आयोजित होने वाले दीपदान कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। वहीं कई मंदिरों में सायंकालीन उत्सव के तहत भजन संध्या व भण्डारे का आयोजन किया जाएगा।

राम कथा से पूर्व निकाली गई कलश यात्रा

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
अयोध्या में भगवान श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर रामरलीला मैदान में श्री राम कथा का आयोजन किया जा रहा है।
सोमवार की सुबह कथा से पूर्व भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कथा का आयोजन श्री रामलीला संचालक समिति की ओर से किया जा रहा है। यात्रा होलिका ग्राउंड मंगलपड़ाव से निकाली गई। दोपहर में व्यास पंडित रितेश जोशी पाठ आरंभ किया।

काशी विश्वनाथ की नगरी पर रामभक्ति का रंग

उत्तरकाशी/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड के इस शहर को उत्तर की काशी कहा जाता है। गोमुख यहां से सिर्फ 120 किलोमीटर दूर है, जहां से पवित्र गंगा का उद्गम है। भगवान काशी विश्वनाथ की इस नगरी पर गंगा और भगवान शिव का रंग सबसे पक्का है। मगर अयोध्या में श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम का ये असर है कि बाबा भोलेनाथ की नगरी भी रामभक्ति से सराबोर है।
पौराणिक माघ मेले पर भी रामभक्ति की छाया है। इसलिए यहां होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच भी रह-रहकर जय श्रीराम का उद्घोष सुनाई दे जाता है। उत्तरकाशी के माघ मेले को बाड़ाहाट का थौलू कहा जाता है। बाड़ाहाट उत्तरकाशी का पुराना नाम है और थौलू का अर्थ मेले से होता है। दस दिनों तक चलने वाले इस मेले में सजावट हर बार खास होती है। रोशनी से सारा शहर जगमगाता है। मगर इस बार की सजावट हो या रोशनी, हर एक चीज पर अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की छाया है। यहां के बाजार भगवा झंडों से पटे हैं। तमाम दुकानों पर भगवा पेंट दिखाई देता है। माघ मेला और अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का मिला-जुला प्रभाव काशी विश्वनाथ की नगरी को एक अलग सा अनुभव प्रदान कर रहा है।

श्रीरामचंद्र के चरित्र को जीवन में आत्मसात करें युवाः प्रो. बत्रा

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
आज राम विग्रह स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम पर सब-कुछ राममय हो गया। इस अवसर पर एसएमजेएन पीजी कालेज के छात्र-छात्राओं ने भव्य रंगोली बनाई। छात्र-छात्राओं के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर हर्ष मना कर अपनी खुशी का इजहार किया।
इस अवसर पर राम विग्रह स्थापना कार्यक्रम के लाईव प्रसारण की व्यवस्था कालेज में की गई। सियाराम मय सब जग जानी करु प्रणाम जोरि जुग पानी एवं राम भजनों पर छात्राओं ने भाव विभोर करने वाली नृत्य की प्रस्तुति से सभी उपस्थित जनों को उल्लास से भर दिया।

छात्र-छात्राओं ने श्री रामचन्द्र, सीता माता, लक्ष्मण जी एवं पवनसुत हनुमान के रूप को धारण कर अद्भुत झांकी प्रस्तुत की। इस अवसर पर कालेज के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बत्रा ने कहा कि यह अत्यंत ही हर्ष का विषय है कि श्रीराम के अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के तहत देश का युवा इस कार्यक्रम को उत्सव के रूप में मना रहा है। अब तो देश के युवा रामजी के मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीरामचंद्र के चरित्र को पाठ्यक्रम में भी पढ़कर उसे अपने जीवन में आत्मसात करेंगे। अब श्री देव सुमन उत्तराखण्ड राज्य विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में देश में पहली बार इसे सम्मिलित किया गया है।
कार्यक्रम में डा. अमिता मलहोत्रा, गौरव बसंल ने छात्राओं को तैयार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रामजी के चरित्र को कामख्या ने चारू ने लक्ष्मण जी, आरती असवाल ने सीता जी एवं आरती प्रजापति ने हनुमानजी और आंचल,आयुषी द्वारपाल की भूमिका निभाई।
भव्य रंगोली को सजाने वाली छात्राओं में अपराजिता, अनामिका, अंशिका, इशिका, मानस वर्मा निकिता मुस्कान, पूनम शालू, वैष्णवी, वर्णिका, आकांक्षा, शिवानी कश्यप, शालिनी, श्रुति, कशिश कंबोज आदि सम्मिलित रहीं।

पोस्टर प्रतियोगिता में महाविद्यालय कर्ण-प्रयाग के अजय को मिला प्रथम स्थान

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में चमोली जिले के कर्णप्रयाग महाविद्यालय के बीए चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र अजय कुमार ने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसको लेकर कर्णप्रयाग महाविद्यालय के साथ ही जिले में उत्साह का माहौल है।
महाविद्यालय कर्णप्रयाग के प्राचार्य प्रो. केएल तलवाड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाताओं को

जागरूक करने के लिए प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय मतदाता दिवस आयोजन के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। महाविद्यालय के अजय कुमार ने चित्रकला में प्रतिभाग किया तथा पूरे जनपद में प्रथम स्थान हासिल किया है। उन्होंने अजय की इस सफलता पर प्रसन्नता एवं शुभकामना व्यक्त करते हुए कहा कि महाविद्यालय में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत बस उन प्रतिभाओं को उचित अवसर प्रदान करने की है। उन्होंने कहा कि अजय ने महाविद्यालय कर्णप्रयाग ही नही बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया है। अजय कुमार की इस उपलब्धि से समस्त महाविद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है तथा महाविद्यालय परिवार ने अजय एवं उनके माता-पिता को शुभकामनाएं दी है।

शहर में जगह जगह भंडारे और लंगर का किया आयोजन

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
अयोध्या में श्रीराम जी की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर शहर में जगह-जगह भंडारे व लंगर का आयोजन किया गया। शहर में माहौल से दिवाली सा प्रतीत हो रहा है। शहर में घर-घर भगवा छायेगा रामराज फिर आएगा, जय श्री राम के नारों से गूंज उठा। कड़ी ठंड होने के बावजूद भी राम भक्त उत्साहित होकर आयोजनों में शामिल हुए। रामलीला ग्राउंड, तिकोनिया चौराहा व रोडवेज चैराहा में एलईडी लगाकर अयोध्या में हो रहे राम मंदिर निर्माण का लाइव प्रसारण किया गया।

हिन्दुओं की 500 सालों की कठिन तपस्या का फल है राम मंदिर : शंकर कोरंगा

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में आज प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन हो रहा है। ऐसे में पूरे देश भर में जगह-जगह शोभायात्रा निकाली जा रही है। मंदिरों में सुंदरकांड और रामायण पाठ का आयोजन किया जा रहा है।
हल्द्वानी में वरिष्ठ भाजपा नेता शंकर कोरंगा ने प्रभु श्री राम के मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की। इस दौरान राम भक्तों के साथ उन्होंने अयोध्या में आज हो रहे प्राण प्रतिष्ठा को लेकर चर्चा की, उन्होंने कहा 500 सालों की कठिन तपस्या के बाद आज अयोध्या धाम में भव्य राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हो रही है, जिसमें देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और संत समाज के तमाम लोग मौजूद हैं।
उन्होंने कहा लंबे इंतजार के बाद

पूजा अर्चना

8 हल्द्वानी में वरिष्ठ भाजपा नेता शंकर कोरंगा ने प्रभु श्री राम के मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की।

अयोध्या धाम में आज रामलला विराजमान होंगे। पूरे देश के मंदिरों में सुबह से ही पूजा अर्चना हो रही है।
सुंदरकांड रामायण पाठ का आयोजन हो रहा है। पूरे देशभर में भगवामय वातावरण बन गया है। रामलला आज अयोध्या धाम में विराजमान होंगे, ऐसे में हिन्दू धर्म के लिए आज दीपावली जैसा उत्सव मनाने का दिन है और इसे बड़े धूमधाम से हल्द्वानी समेत पूरे देश भर में मनाया जा रहा है।

चमोली जिला : गांवों से लेकर शहर तक हुआ राममय

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
अयोध्या में भव्य मंदिर में भगवान रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर सोमवार को जहां पूरा देश राममय बना हुआ है वहीं चमोली जिले के गांवों से लेकर शहर के हर कोने में भक्तों ने कीर्तन-भजन समेत भक्तिमय गीत संगीत का आयोजन भी किया।
चमोली जिला मुख्यालय गोपेश्वर के मुख्य बस स्टेशन पर संयुक्त रामलीला मंच की ओर से भक्तिमय गीत संगीत का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न स्कूलों के साथ ही लोक गायकों ने भी अपने भक्तिमय गीतों से भक्तों को झूमने

पर मजबूर किया। गोपीनाथ मंदिर समेत चमोली जिला मुख्यालय के मंदिरों में भजन कीर्तन के आयोजन के साथ ही भंडारे भी लगाये गये, जिसमें लोगों को प्रसाद वितरण किया गया।
जिले के जोशीमठ, कर्णप्रयाग, पोखरी, देवाल, गैरसैण, थराली, नारायणबगड़ समेत अनेक स्थानों पर मंदिरों में रातभर भजन कीर्तन के साथ ही रामायण का पाठ भी किया गया। जिसमें भक्तों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। साथ ही इस अवसर पर राम की झांकियां भी निकाली गई।

अयोध्या में विराजे श्रीराम लला, खुशी में उमड़ा रामभक्तों का जनसैलाब

जुलूस

8 कड़ाके की ठंड के बीच घरों से निकले रामभक्त रेल चौकी स्थित राम चौक पर एकत्रित हुए।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व ज्वालापुर में रामभक्तों ने विशाल जुलूस निकाला।
इस विशाल जुलूस में बच्चे, नौजवान, बुजुर्ग सभी ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।
सोमवार सुबह कड़ाके की ठंड के बीच घरों से निकले हजारों की संख्या में रामभक्त रेल चौकी स्थित राम चौक पर एकत्रित हुए। जहां सभी ने अयोध्या में प्रभु श्रीराम लला के विराजमान होने से पूर्व उनकी मूर्ति पर पूजा अर्चना की। इसके पश्चात सभी रामभक्त एक विशाल जुलूस की शक्ल में रामचौक से होते हुए कटहरा बाजार, रामलीला ग्राउंड, गुघाल रोड होते हुए धीरवाली स्थित भैरव मन्दिर पहुंचे।
इस बीच जुलूस में शामिल नौजवान युवक युवतियां, छोटे बच्चे एवं बुजुर्ग महिलाएं व पुरुषों ने श्रीराम के जयकारे लगाते हुए अपने प्रभु श्रीराम के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। वहीं जुलूस में शामिल उत्साहित युवाओं की टोलियां डीजे की धुन पर जमकर थिरकती दिखी।

झपट्टा मारकर मोबाइल छीनने वाले को पुलिस ने दबोचा, दो मोबाइल बरामद

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
ज्वालापुर कोतवाली पुलिस ने राह चलते लोगों से झपट्टा मारकर मोबाइल छीनने के आरोपित एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के पास से छीने गए दो मोबाइल बरामद किए हैं।
गौरतलब है कि 20 जनवरी को२ ई-रिक्शा चालक घनश्याम निवासी काशी नगरी निकट आर्य नगर चौक ज्वालापुर ने भूमानन्द अस्पताल के पास से अज्ञात व्यक्ति के उसका मोबाइल छीनकर भाग जाने के संबंध में तहरीर दी। रोहालकी किशनपुर बहादराबाद हरिद्वार निवासी अविनाश चौहान का

मोबाइल चोरी करने के संबंध में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। ज्वालापुर पुलिस ने रात्रि चेकिंग के दौरान 21 जनवरी को झपट्टा मारकर मोबाइल लेकर फरार हुए संदिग्ध को 02 मोबाइल के साथ वाल्मीकि बस्ती के नजदीक से दबोचा। जांच करने पर बरामद दोनों मोबाइल लूट व चोरी के पाए गए।
पूछताछ में आरोपित ने बताया कि एक मोबाइल उसने भूमानन्द अस्पताल के सामने से वैटरी रिक्शा चालक से लूटा था और दूसरा मोबाइल तीन चार दिन पहले नूतन ओजस अस्पताल के अंदर से चोरी किया था। आरोपित ने अपना नाम व पता सुधांशु पुत्र तोताराम निवासी गोकुलधाम कालोनी निकट पीएसी गेट सुभाष नगर ज्वालापुर हरिद्वार बताया।

मुख्यमंत्री धामी ने प्रभु श्रीराम से प्रदेश की सुख-समृद्धि व खुशहाली की प्रार्थना की

प्राण प्रतिष्ठा

8 सभी मंत्री अलग-अलग मंदिरों में वर्चुअल माध्यम से राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम से जुड़ रहे हैं।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
राम मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरे देश भर के साथ ही देवभूमि श्रीराम के उल्लास में डूबी हुई है। जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सपरिवार टपकेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

सुबह से ही सभी मंदिरों में सुबह से ही लोगों का ताता लगा हुआ है।

उत्तराखंड सरकार के सभी मंत्री अलग-अलग मंदिरों में वर्चुअल माध्यम से राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम से जुड़ रहे हैं।
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी देहरादून के टपकेश्वर मंदिर में सपरिवार पहुंचे। जहां उन्होंने पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की।
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि यह हमारे लिए गौरव का दिन और क्षण है। सभी के घरों में आज दीपावली का त्योहार मनाया जा रहा है। देवभूमि में श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जगह-जगह उत्सवी में माहौल प्रभु श्रीराम का उद्घोष मन को आनन्दित कर रहा है। देहरादून के परेड मैदान में अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर निर्मित भव्य मंदिर में राम प्राण प्रतिष्ठा समारोह आरती पूजा के दिव्य दर्शन, परेड ग्राउंड देहरादून में स्थापित एलईडी पर सीधा प्रसारण हो रहा है। इसके अलावा बड़े स्क्रीन पर लाइव प्रसारण, घंटा घर,पलटन बाजार, डाटकाली सहित 11 सुभाष रोड के अलावा अन्य गली मोहल्ले में राम भक्तों की ओर से जगह-जगह लाइव प्रसारण के साथ भजन कीर्तन और भंडारे कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे। बड़े से लेकर बच्चों की सहभागिता से भक्तिमय वातावरण देखते ही बन रहा है।

नृसिंह और योग बदरी मंदिर में हुई अखंड रामायण, सुंदर कांड के साथ पूजा अर्चना

समारोह

8 इस अवसर पर मंदिरों को फूलों से सजाया गया है तथा रात्रि में बहुरंगी लाइटों से मंदिर प्रकाशमान रहा।

गोपेश्वर
अयोध्या में हुए श्रीराम मंदिर में राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने नृसिंह मंदिर जोशीमठ, योग बदरी मंदिर पांडुकेश्वर और अधीनस्थ मंदिरों में पूजा-अर्चना, भजन कीर्तन अखंड रामायण और सुंदरकांड का पाठ किया।
व्यापार सभा जोशीमठ के सौजन्य भगवान राम और राम परिवार की शोभा यात्रा निकाली शोभा यात्रा जोशीमठ बाजार भ्रमण के बाद नृसिंह मंदिर पहुंची। इस अवसर पर मंदिरों को फूलों से सजाया गया है तथा रात्रि में बहुरंगी लाइटों से मंदिर प्रकाशमान रहा।
प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भगवान राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर दीपोत्सव, स्वच्छता, भजन-कीर्तन, लाइव प्रसारण का आह्वान किया है। बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र अजय के निर्देश पर मुख्य कार्याधिकारी योगेंद्र सिंह ने भगवान राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर भव्य कार्यक्रमों के लिए आदेश जारी किये हैं। जोशीमठ मारवाड़ी से शुरू हुई भगवान राम परिवार की शोभायात्रा यात्रा बाजार होते हुए नृसिंह मंदिर जोशीमठ पहुंची। शोभा यात्रा में सैकड़ों महिलाएं पुरुष शामिल हुए। शोभा यात्रा का समापन नृसिंह मंदिर परिसर में हुआ।

लोगों ने दो सिलेंडर चोरों को पकड़ा

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
कोतवाली रानीपुर क्षेत्र में सिलेंडर चोरी करते दो लोगों को स्थानीय निवासियों ने धर दबोचा। लोगों ने दोनों को पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है।
देर रात्रि रानीपुर कोतवाली क्षेत्र स्थित ग्राम सलेमपुर निवासी राधेलाल पुत्र स्व. सुखपाल के घर से दो चोर गैस सिलेंडर चोरी कर ले जा रहे थे। इसी दौरान आस पड़ोस के लोगों ने सिलेंडर चोरी करते ले जाते हुए दोनों को दबोच लिया। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। चोरों के कब्जे से चोरी का सिलेंडर भी बरामद कर लिया।

कैट प्लान के तहत आजीविका बढ़ाने को सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शुरू

प्रशिक्षण

8 सचिव महानंद बिष्ट ने कहा कि सरकार ने ग्रामीणों को आगे लाने के लिये कई योजनायें संचालित की हैं।

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के बिरही में अलकनंदा भूमि संरक्षण वन प्रभाग की ओर से कैट प्लान के तहत ग्रामीणों की आजीविका बढ़ाने के लिए स्थानीय उत्पाद से निर्मित विभिन्न पेय और खाद्य सामग्री बनाने का सात दिवसीय प्रशिक्षण सोमवार से शुरू हो गया है।
नवज्योति महिला कल्याण संस्थान की ओर से ग्रामीण की

आजीविका संवर्दवन के लिये क्षमता विकास प्रशिक्षण के लिये द्वींग, बौला दुगार्पुर, गौणा, पाणा ईराणी, रैतोली, गडोरा, सल्ला रैतोली के वन पंचायत संरपचों एवं ग्रामीणों को अपने घरों के आसपास पायी जाने वाली सामाग्रियों से अचार, जूस बनाने तथा चीड़ के पेड़ों से पायी वाले छितरों से घरेलू सजावट की सामग्री बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।
मुख्य प्रशिक्षिका गीता नेगी ने काश्तकारों विभिन्न जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि गांव का काश्तकार बाजार से कुछ सामाग्री खरीदकर अपने घरों में ही अचार, जैम, जैली और विभिन्न प्रकार जूस बना सकते हैं। उन्होंने कि हमारे गावों में कई प्रकार की सामाग्री हैं, जिससे कि जूस, अचार और जैम जैली बनाई जा सकती है। संस्था के सचिव महानंद बिष्ट ने कहा कि सरकार ने ग्रामीणों को आगे लाने के लिये कई योजनायें संचालित की हैं। इन योजनाओं के जरिये अपनी क्षमता को बढ़ाकर आजीविका के क्षेत्र में कई कार्य किये जा सकते हैं।उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र चारधाम यात्रा से भी जुड़ा हुआ है, इसलिये काश्तकार अपनी क्षमता को बढ़ाकर आजीविका संचालित कर सकता है।
समन्यवक पायल बिष्ट ने कहा कि ग्रामीणों को अपने गांव के विकास तथा क्षेत्र के विकास के लिये आगे आने की जरूरत है।
इस मौके पर द्वींग के सरपंच अरविंद सिंह, पाणा के संरपच शंकर सिंह, ज्योति पंवार, स्मिता बिष्ट, नीता बिष्ट, महेद्र सिंह रावत, नंदनी राणा, राजेश्वरी देवी, सबर सिंह, पंकज सिंह, प्रदीप कुमार अनुरागी आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान ने आध्यात्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया

देहरादून। अयोध्या के नवनिर्मित श्रीराम मन्दिर में प्रभु के नूतन विग्रह के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान ने वैश्विक स्तर पर अपने आश्रमों में दीपमालाएं की। 21 जनवरी को रविवार के दिन संस्थान द्वारा विश्व भर में आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए जिनकी थीम रही ह्यअब हृदय मन्दिर के धाम भी प्रतिष्ठा करेंगे श्रीराम कीह्ल। इन समागमों में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के संस्थापक एवं संचालक दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी के विद्वत शिष्य व शिष्याओं ने सारगर्भित सत्संगों एवं सुमधुर भजनों के माध्यम से श्रीराम के जीवन दर्शन का गरिमामयी व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसी के चलते, संस्थान के ऑफिशियल यूट्यूब चौनेल डीजेजेएसवर्ल्ड पर भी कई मंत्रमुग्ध कर देने वाले विशेष श्रीराम भजन डाले गए। 22 जनवरी को संस्थान के आश्रमों में ह्यग्लोबल ध्यान ऑवरह्ल नामक ब्रह्मज्ञान आधारित ध्यान सत्र का आयोजन रखा गया है। ब्रह्मज्ञान, अंतर्जगत में ईश्वर दर्शन की वही सनातन पद्धति है जिसका वर्णन वेदों, उपनिषदों, भगवद् गीता, रामचरितमानस इत्यादि ग्रंथों में है। इस विश्व स्तरीय ध्यान सत्र में संस्थान के देश विदेश में स्थित अनुयायी, राम राज्य की अखण्ड स्थापना की कामना करते हुए, यथासंभव अपने निकट के आश्रम में जाकर या फिर घर में ही ब्रह्मज्ञान आधारित ध्यान साधना करेंगे और विश्व कल्याण हेतु इस दिव्य ऊर्जा को आहूत करेंगे।
इस अवसर पर दिव्य गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या तथा देहरादून आश्रम की प्रचारिका 70 इंदिरा गांधी मार्ग निरंजनपुर संयोजक साध्वी विदुषी अरूणिमा भारती ने बताया कि ह्यआज श्रीराम के अयोध्या आगमन पर हर ओर आनंद की लहर है, जो दशार्ती है कि भारत की आत्मा पर आज भी श्रीराम अंकित हैं। जिन्होंने भी मन्दिर निर्माण में बलिदान दिए और अपने जीवन आहूत किये, आज उनके संघर्षों का संस्मरण दिवस भी है। इस नवनिर्मित मन्दिर की नींव किसी ईंट या गारे से नहीं बनी, बल्कि इसमें लाखों-करोड़ों राम भक्तों के वर्षों का तप, प्रेम, प्रतीक्षा, प्रार्थना व श्रद्धा समाहित है।

विद्यामंदिर क्लासेस का नेशनल एडमिशन टेस्ट 28 जनवरी 2024 को

देहरादून । देश का लीडिंग इंस्टीट्यूट और जेईई व नीट एग्जाम की तैयारी का हब विद्यामंदिर क्लासेज (वीएमसी) अपना फ्लैगशिप टेस्ट कराने के लिए तैयार है। एडमिशन और स्कॉलरशिप के लिए वीएमसी का नेशनल एडमिशन टेस्ट (एनएटी) इसी महीने 28 जनवरी 2024 को कराया जाएगा। ये टेस्ट ऑफलाइन व ऑनलाइन दोनों मोड में होगा। इस टेस्ट का मकसद मेधावी छात्रों को स्कॉलरशिप देना और उन्हें बेहतर स्टडी के लिए तैयार करना है। ये टेस्ट उन बच्चों के लिए बूस्टर होता है जो जेईई और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं या करना चाहते हैं। ऐसे बच्चों को मेंटरशिप मिलती है, डाउट क्लीयर होते हैं, मोटिवेशनल सेशन होते हैं। वीएमसी के फाउंडर्स समेत टॉप फैकल्टी बच्चों के साथ इंटरैक्ट करती है, फ्री मॉक टेस्ट कराए जाते हैं, स्कूल और बोर्ड एग्जाम की प्रैक्टिस कराई जाती है। अभी जो बच्चे क्लास 5, 6, 7, 8, 9, 10 और 11 में पढ़ रहे हैं उनके पास इस टेस्ट में शामिल होने का चांस है। ये टेस्ट बच्चों के लिए विद्यामंदिर क्लासेज में खुद को एनरॉल कराने का एक बेहतर रास्ता है। नेशनल एडमिशन टेस्ट बच्चों को न सिर्फ 100 परसेंट स्कॉलरशिप पाने का मौका देता है बल्कि फ्री प्रैक्टिस टेस्ट, मॉक बोर्ड टेस्ट का भी मौका देता है। बच्चों को उनकी मौजूदा क्लास के लिए ई-स्टडी मटेरियल मिलता है। गर्ल स्टूडेंट और स्कूल टीचर्स के बच्चों को ट्यूशन फीस में 10 परसेंट की एक्स्ट्रा छूट दी जाती है।
विद्यामंदिर क्लासेज के चीफ अकेडमिक ऑफिसर (सीएओ) सौरभ कुमार ने कहा कि विद्यामंदिर क्लासेज का सबसे पहला मकसद बच्चों के अंदर साइंटिफिक और टेक्निकल नॉलेज का मजबूत फाउंडेशन तैयार करना है ताकि वो बेहतर इंजीनियर और डॉक्टर बन सकें। नेशनल एडमिशन टेस्ट का उद्देश्य शुरूआती स्टेज में ही बच्चों को इस लायक बनाना है कि वो आने वाली डिफिकल्टी को आसानी से क्रैक कर सकें। हमारे कोर्स में छात्रों को फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स, बायो के बेसिक कंसेप्ट क्लियर कराए जाते हैं और उनके अंदर एनालिटिकल स्किल्स व समानांतर थिंकिंग प्रोसेस डवलप किया जाता है और उन्हें मुश्किल से मुश्किल प्रॉब्लम्स को क्रिएटिविटी के साथ सॉल्व करने के लिए सक्षम बनाया जाता है। क्लास 5,6,7 और 8 के छात्रों को नेशनल एडमिशन टेस्ट के अर्ली स्टार्ट एडवांटेज से लाभ होगा।

हार्डविन इंडिया लिमिटेड का 100 करोड़ रुपये के रेवेन्यू का लक्ष्य

देहरादून। हार्डविन इंडिया लिमिटेड (बीएसईरू 541276, एनएसईः हार्डविन) की नई गठित सब्सिडरी स्लिम-एक्स ने इनोवेटिव प्रोडक्ट्स की एक रेंज का अनावरण किया है। अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी वाला नया ब्रांड अब उद्योगों के लिए इनोवेटिव प्रोडक्ट्स-अल्ट्रा-स्लिम, हाई-परफॉर्मेंस एल्यूमीनियम प्रोफाइल- की विकास क्षमता का लाभ उठाते हुए, अगले दो वर्षों में 100 करोड़ रुपये का रेवेन्यू जनरेट करने की योजना बना रहा है। हार्डविन इंडिया लिमिटेड भारत में आर्किटेक्चरल हार्डवेयर मैन्युफैक्चरर्स में एक लीडिंग ब्रांड है।
इनिशिएटिव की घोषणा करते हुए, हार्डविन के मैनेजिंग डायरेक्टर, रुबलजीत सिंह सयाल ने कहा कि अत्याधुनिक तकनीक में अग्रणी होने के नाते, हम एक नए ब्रांड स्लिम-एक्स के द्वारा अपने लेटेस्ट इनोवेशन की पेशकश कर रहे हैं।
भारतीय बाजारों हेतु, हम विभिन्न उद्योगों के लिए डिजाइन की गई अल्ट्रा-स्लिम, हाई-परफॉर्मेंस वाली एल्यूमीनियम प्रोफाइल का अनावरण कर रहे हैं, इसके साथ-साथ उत्तम ग्लास फिटिंग्स भी हैं जो आर्कटेक्चरल डिजाइन में एलिगेंस को पुनः परिभाषित करती हैं। 20 करोड़ रुपये के शुरूआती इन्वेस्टमेंट के साथ, हम अगले दो वर्षों में 100 करोड़ रुपये के रेवेन्यू का लक्ष्य रखते हैं।
कलात्मकता में वृद्धि, सुविधा और 10 साल तक की वारंटी के साथ आने वाले इनोवेटिव प्रोडक्ट्स की नई रेंज की अन्य उद्योगों के अलावा आर्किटेक्ट्स, इंटीरियर डिजाइनर्स, बिल्डर्स और कॉन्ट्रैक्टर्स द्वारा बड़ी मांग होने की उम्मीद है।
सयाल ने यह भी कहा कि हमारा विजन एल्यूमीनियम प्रोफाइल के उपयोग को बदलकर न्यू इंडस्ट्री स्टैंडर्ड स्थापित करना है। कंपनी अल्ट्रा-स्लिम प्रोफाइल विकसित करने में माहिर है जो आर्किटेक्चर, इंटीरियर डिजाइन,लाइटिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य क्षेत्रों में एप्लिकेशन्स के लिए बहुमुखी प्रतिभा प्रदान करती है।
उत्कृष्टता और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता के साथ, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारे उत्पाद प्रिसिशन (शुद्धता), कस्टमाइजेशन और रिसाइक्लेबल मटेरियल्स के उपयोग के माध्यम से इंडस्ट्री स्टैंडर्ड को पूरा करें और उनसे आगे निकलें।
प्रबंध निदेशक ने इस बात पर जोर दिया कि हम सिर्फ एल्युमीनियम प्रोफाइल ही उपलब्ध नहीं करा रहे हैं; हम डिजाइन और टेक्नोलॉजी के भविष्य को आकार दे रहे हैं। इनोवेशन और सस्टेनेबिलिटी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता स्लिम-एक्स को अलग करती है।

भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के बाजार में खरीदारी करने उमड़े लोग

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ मौके पर पूरे देश में उत्सव मनाया जा रहा है। सोमवार को सुबह से बाजारों में लोगों की काफी भीड़ लगी रही। लोग दीये, मिष्ठान, फूल, पटाखे आदि खरीदते नजर आए। मिष्ठान विक्रेताओं के वहां बूंदी व बेसन के लड्डू समेत अन्य मिठाइयां खरीदने के लिए लोगों का जमावड़ा लगा रहा।
बाजार में लोग फूल मालाएं, झालर, दीए, मोमबत्ती समेत घर को सजाने का अन्य सामान खरीदते नजर आए।

महिंद्रा ने पेश किया सुप्रो प्रॉफिट ट्रक एक्सेल

देहरादून। भारत में स्मॉल कमर्शियल व्हीकल (एससीवी) के बाजार में अग्रणी, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड (एमएंडएम) ने गर्व से नई सुप्रो प्रॉफिट ट्रक एक्सेल रेंज के लॉन्च की घोषणा की है, जो डीजल और सीएनजीडुओ दोनों वेरिएंट में उपलब्ध है। सुप्रो प्लेटफॉर्म की सफलता के आधार पर प्रॉफिट ट्रक एक्सेल रेंज अपनी जोरदार ताकत, जबरदस्त स्टाइल, बेजोड़ सुरक्षा और आराम के साथ लास्ट-मील कनेक्टिविटी के लिए डिजाइन किया गया है। सुप्रो, शुरूआत में 2015 में लॉन्च किया गया था, जो ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने वाले एक हरफनमौला प्लेटफॉर्म के रूप में उभरा है। प्रतिस्पर्धी कीमत पर सुप्रो प्रॉफिट ट्रक एक्सेल का मूल्य इस प्रकार है - डीजल संस्करण की कीमत 6.61 लाख (एक्स-शोरूम दिल्ली) और सीएनजीडुओ वेरिएंट की कीमत 6.93 लाख (एक्स-शोरूम दिल्ली) है। ब्रांड की छह गुना वृद्धि में योगदान देने वाले सुप्रो सीएनजीडुओ की सफलता के बाद नया सुप्रो प्रॉफिट ट्रक एक्सेल कई इंजन और ईंधन विकल्पों, मॉर्डन स्टाइल, बेहतरीन सुरक्षा और प्रौद्योगिकी सुविधाओं के साथ हरफनमौला प्लेटफार्मों की पेशकश करने के लिए महिंद्रा की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।
महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड में ऑटोमोटिव डिवीजन के सीईओ नलिनीकांत गोलागुंटा ने कहा कि हमारे राइज दर्शन का एक पहलु राइज फॉर वैल्यू हमारी नवीनतम पेशकश महिंद्रा सुप्रो प्रॉफिट ट्रक एक्सेल में समाया हुआ है। यह लॉन्चिंग हमारी सब-2-टन सेगमेंट में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है, जो व्यवसायों को सशक्त बनाने और भारत में लास्ट-मील कनेक्टिविटी को बदलने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है।
एमएंडएम के ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी और प्रोडक्ट डेवलपमेंट के प्रेसिडेंट आर. वेलुसामी ने कहा कि हमारे प्रसिद्ध सुप्रो प्लेटफॉर्म से निकला सुप्रो प्रॉफिट ट्रक एक्सेल, तकनीकी उत्कृष्टता के लिए महिंद्रा की अटूट प्रतिबद्धता का उदाहरण है। इसमें बेहतर प्रदर्शन के लिए उन्नत 5-स्पीड ट्रांसमिशन है, जो बहुत मजबूत है।

ब्लॉक प्रमुख रमोला गणतंत्र दिवस की परेड में करेंगे प्रतिभाग

आमंत्रण

8 -प्रमुख रमोला को भारत सरकार से मिला है आमंत्रण -राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं रमोला

नई टिहरी
आगामी गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को राजपथ पर होने वाली परेड में उत्तराखंड प्रदेश से राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार प्राप्त पांच पंचायत प्रतिनिधि उत्तराखंड की ओर से प्रतिभाग करेंगे। जनपद टिहरी गढ़वाल के प्रतापनगर ब्लाक के प्रमुख प्रदीप चंद रमोला भी सपत्नीक शामिल होंगे।

पंचायती राज निदेशक निधि यादव की ओर से जारी पत्र में प्रतापनगर के ब्लॉक प्रमुख प्रदीप चंद रमोला को सपत्नी गणतंत्र दिवस की राष्ट्रीय परेड में प्रतिभाग करने को आमंत्रित किया गया है। यह निमंत्रण भारत सरकार के पंचायतीराज विभाग के निर्देश पर दिया गया है। इसके अलावा ग्राम पंचायत सिमलास ग्रांट देहरादून की प्रधान पूजा पाल, ग्राम बडमास वाला के प्रधान नरेंद्र तोमर, ग्राम प्रधान मठ उत्तरकाशी के प्रधान अरविंद सिंह, ग्राम पंचायत दियारी उत्तरकाशी की प्रधान सुषमा वर्मा और ब्लॉक प्रमुख पुरोला रीता पंवार को भी कार्यक्रम के लिए राज्य की ओर प्रतिभाग करने का आमंत्रण मिला है। ब्लॉक प्रमुख प्रदीप रमोला ने आमंत्रण पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि वे ब्लाक प्रतापनगर की ओर से कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। राज्य की ओर से प्रतिभाग का मौका उनके लिए गौरवान्वित करने वाला मौका है।

भगवान राम सबके हैं, सब राम में हैं : मदन कौशिक

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
अयोध्या नगरी में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में प्राचीन श्रीराम मंदिर में महंत रामदास की अध्यक्षता व भाजपा नेता अनिरुद्ध भाटी, समाजसेवी सुभाष महेश्वरी, सुबोध शर्मा के संयोजन में सुन्दर काण्ड व प्रसाद वितरण का आयोजन हुआ।इस अवसर पर पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने कहा कि भगवान राम सबके हैं, सब राम में हैं। मयार्दा पुरुषोत्तम रामलला के प्राण प्रतिष्ठा से समूची देश-दुनिया में हर्ष की लहर है।

प्रधानमंत्री के संकल्पों को क्रियान्वित करने के लिए कार्यों में लाएं तेजी: धामी

विमोचन

8 -उत्तराखण्ड के वार्षिक कलेण्डर सशक्त नेतृत्व, समृद्ध उत्तराखण्ड का विमोचन किया

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से दिए गये 9 संकल्पों को राज्य स्तर पर क्रियान्वित करने के लिए कार्यों में तेजी लाई जाए।
सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग,

उत्तराखण्ड उन्होंने जल संरक्षण की दिशा में लगातार प्रयास किए जाएं और इसके लिए जागरूकता अभियान भी चलाया जाए। डिजिटल लेन-देन के लिए लोगों को जागरूक करने ल और स्वच्छता अभियान नियमित रूप से चलाने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य में वोकल फॉर लोकल को तेजी से बढ़ावा दिया जाए। देश में बने उत्पादों के अधिकतम इस्तेमाल करने का भी उन्होंने लोगों से आह्वान किया। इससे देश की आर्थिकी तेजी से बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने राज्य में पर्यटन को और तेजी से बढ़ावा देने और प्राकृतिक खेती को और बढ़ावा देने के निरंतर कार्य करने के निर्देश दिए।
उन्होंने कहा कि श्रीअन्न और खेलों को नियमित अपनी दिनचर्या में शामिल करने और ड्रग और नशे की लत से दूर रहने के लिए समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाने को कहा।
इस वार्षिक कलेण्डर के माध्यम से उत्तराखण्ड के सभी 13 जनपदों के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटक स्थलों, स्थानीय उत्पादों, प्राकृतिक सौन्दर्य, पौराणिक स्थलों को चित्रों के माध्यम से दशार्या गया। वार्षिक कैलेण्डर के माध्यम से राज्य की पर्यटन नीति, सौर ऊर्जा नीति, सशक्त महिला समृद्ध प्रदेश, युवाओं के प्रति संवेदनशीलता एवं निवेश-रोजगार-समृद्धि के लिए सरकार द्वारा किये गये कार्यों की ओर लोगों के ध्यान आकर्षण के प्रयास किये गये।
इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सचिव आर.मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, विनय शंकर पाण्डेय, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते, एडीजी ए.पी. अंशुमन और महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी उपस्थित थे।

आईआईएम काशीपुर ने मनाया अपने वार्षिक सांस्कृतिक, खेल और प्रबंधन उत्सव-अग्नित्रय का 10वां संस्करण

देहरादून। आईआईएम काशीपुर में 19 से 21 जनवरी, 2024 को आयोजित तीन दिवसीय प्रमुख वार्षिक उत्सव, अग्नित्रय-एक्स, एग्जुबेरेंस अनलीशेड थीम पर आधारित था। छात्रों को प्रबंधन, खेल और संस्कृति के मिश्रण का अनुभव करने के लिए आमंत्रित किया गया।
तीन दिन तक चलने वाले इस असाधारण उत्सव के पहले दिन एक समूह नृत्य प्रतियोगिता- सिनर्जी, बैटल ऑफ बैंड्स और कॉमेडी नाइट में यश राठी का आनंदित करने वाला प्रदर्शन शामिल रहा। कॉमेडी नाइट के स्टार, कॉमेडियन ने दर्शकों को हंसा-हंसाकर लोटपोट कर दिया।
आलोक सिंघल, कार्यकारी निदेशक, इंडिया ग्लाइकोल्स लिमिटेड ने कहा कि तीन प्रकार के लोग होते हैं, वे लोग जो अपने अनुभव से सीखते नहीं हैं, वे लोग जो अपने अनुभव से सीखते हैं और फिर सबसे बुद्धिमान वे होते हैं जो दूसरों के अनुभव से सीखते हैं।
प्रो. मयंक, सहायक प्रोफेसर, छात्र कार्य-संबंध, आईआईएम काशीपुर ने कहा कि अग्नित्रय का 10वां संस्करण का अंत हो रहा है, और यह एक बहुत ही खास संगीत है जिसमें हमारे छात्रों ने व्यवस्थापन, खेल, और सांस्कृतिक रंग-बिरंगे का अद्वितीय संबंध बनाया है। विचार से लेकर क्रियान्वयन तक, आईआईएम काशीपुर के अग्नित्रय-एक्स ने हमें हाथों का अनुभव, टीमवर्क, और नेतृत्व का सुंदर परिचय प्रदान किया है। इस आयोजन ने हमें केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रिश्तों की मजबूत बुनियादें भी बनाई हैं, जो छात्रों, पूर्व छात्रों, और समर्थकों को एक साथ लाने में सफल रही हैं। दूसरे दिन, 20 जनवरी को आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में, रैप बैटल, एकल गायन प्रतियोगिता- अंतर्नाद, रोलप्ले प्रतियोगिता- नवरस, एकल नृत्य प्रतियोगिता- नृत्य शास्त्र, काव्य प्रतियोगिता (पोएट्री स्लैम), और साहित्य क्लब द्वारा आयोजित कहानी सुनाने का कार्यक्रम - अभिव्यक्ति शामिल रहा

संपादकीय

आमजन के राम

राम की कहानी युगों से भारत को संवारने में उत्प्रेरक रही है। इसीलिए राष्ट्र के समक्ष सुरसा के जबड़ों की भांति फैले हुए सद्य संकटों की रामकहानी समझना और उनका मोचन इसी से मुमकिन है। शर्त यही है राम में रमना होगा, क्योंकि वे "जन रंजन भंज न सोक भयं" हैं। बापू का अनुभव था कि जीवन के अंधेरे और निराश क्षणों में रामचरित मानस में उन्हें सुकून मिलता था। राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि "राम का असर करोड़ों के दिमाग पर इसलिये नहीं है कि वे धर्म से जुड़े हैं, बल्कि इसलिए कि जिन्दगी के हरेक पहलू और हरेक कामकाज के सिलसिले में मिसाल की तरह राम आते हैं। आदमी तब उसी मिसाल के अनुसार अपने कदम उठाने लग जाता है।" इन्हीं मिसालों से भरी राम की किताब को एक बार विनोबा भावे ने सिवनी जेल में ब्रिटेन में शिक्षित सत्याग्रही जेसी कुमारप्पा को दिया और कहा, "दिस रामचरित मानस ईज बाइबल ऐंड शेक्सपियर कम्बाइन्ड।" लेकिन इन दोनों अंग्रेजी कृतियों की तुलना में राम के चरित की कहानी आधुनिक है, क्योंकि हर नई सदी की रोशनी में वह फिर से सुनी, पढ़ी और विचारित होती है। तरोताजा हो जाती है।

गांधी और लोहिया ने सुझाया भी था कि हर धर्म की बातों की युगीय मान्यताओं की कसौटी पर पुनर्समीक्षा होनी चाहिए। गांधीजी ने लिखा था, "कोई भी (धार्मिक) त्रुटि शास्त्रों की दुहाई देकर मात्र अपवाद नहीं करार दी जा सकती है।" (यंग इण्डिया, 26 फरवरी 1925)। बापू ने नये जमाने के मुताबिक कुरान की भी विवेचना का जिक्र किया था। लोहिया तो और आगे बढ़े। उन्होंने मध्यकालीन रचनाकार संत तुलसीदास के आधुनिक आलोचकों को चेताया, "मोती को चुनने के लिए कूड़ा निगलना जरूरी नहीं है, और न कूड़ा साफ करते समय मोती को फेंक देना।" रामकथा की उल्लास-भावना से अनुप्राणित होकर लोहिया ने चित्रकूट में रामायण मेला की सोची थी। उसके पीछे दो प्रकरण भी थे। कामदगिरी के समीप स्फटिक शिला पर बैठकर एक बार राम ने सुन्दर फूल चुनकर काशाय वेशधारिणी सीता को अपने हाथों से सजाया था। (अविवाहित) लोहिया की दृष्टि में यह प्रसंग राम के सौन्दर्यबोध और पत्नीव्रता का परिचायक है, जिसे हर पति को महसूस करना चाहिये। स्वयं लोहिया ने स्फटिक शिला पर से दिल्ली की ओर देखा था। सोचा भी था कि लंका की तरह केन्द्र में भी सत्ता परिवर्तन करना होगा। तब नेहरू- कांग्रेस का राज था। फिर लोहिया को अपनी असहायता का बोध हुआ था, रावण रथी, विरथ रघुवीर की भांति। असमान मुकाबला था, हालांकि लोहिया के लोग रथी हुए उनके निधन के बाद। लोहिया रामचरितमानस के छोटे किस्सों का उद्धरण करते थे और आमजन की जिज्ञासा जगाते थे ताकि राम पर चर्चा व्यापक हो। मसलन बड़े भाई राम अकसर अनुज लक्ष्मण को उकसाते थे। जब धनुष टूटा तो नाराज परशुराम से लक्ष्मण का विवाद तीखा था। शूर्पणखा को टालने के लिए फिर राम ने लक्ष्मण को एवजी बनाया। दोनों में संवाद का आयमन क्या था? लोहिया ने अपने राम को साधारण मनुष्य जैसा ही देखा था। महात्मा गांधी के विषय में एक अचंभा अवश्य होता है। द्वारका के निकट सागर किनारे वे पैदा हुए पर जीवनभर सरयूतटी राम के ही उपासक रहे। वे द्वारकाधीश को मानो भूल ही गये। शायद इसलिए कि गांधीजी जनता के समक्ष राम के मर्यादित उदाहरण को पेश करना चाहते हों। रामराज ही उनके सपनों का भारत था, जहां किसी भी प्रकार का ताप नहीं था, शोक न था।

क्रांतिकारी योद्धा थे नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

रमेश सर्राफ धमोरा

"पूर्व एशिया और जापान पहुंच कर उन्होंने आजाद हिन्द फौज का विस्तार करना शुरू किया। रंगून के जुबली हॉल में सुभाष चंद्र बोस द्वारा दिया गया भाषण सदैव के लिए इतिहास के पत्रों में अंकित हो गया। नेताजी की मृत्यु के संबंध में विवाद बना हुआ है कि 18 अगस्त 1945 के बाद का सुभाषचन्द्र बोस का जीवन-मृत्यु आज तक अनसुलझा रहस्य बना हुआ है"

आजादी की जंग में प्रमुख भूमिका निभाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और महान क्रांतिकारी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 23 जनवरी को 126 वीं जयंती मनाई जा रही है। उनकी जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनका पूरा जीवन ही साहस व पराक्रम का उदाहरण है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा में कटक के एक संपन्न बंगाली परिवार में हुआ था। बोस के पिता का नाम जानकीनाथ बोस और मां का नाम प्रभावती था। जानकीनाथ बोस कटक शहर के मशहूर वकील थे। प्रभावती और जानकीनाथ बोस की कुल मिलाकर 14 संतानें थी, जिसमें 6 बेटियां और 8 बेटे थे। सुभाष चंद्र उनकी नौवीं संतान और पांचवें बेटे थे। नेताजी ने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई कटक के रेवेंशॉव कॉलेजिएट स्कूल में हुई। तत्पश्चात उनकी शिक्षा कलकत्ता के प्रेजिडेंसी कॉलेज और स्कॉटिश चर्च कॉलेज से हुई। उनको उन्होने इंग्लैंड के केंब्रिज विश्वविद्यालय से सिविल सर्विस की परीक्षा में चैथा स्थान प्राप्त किया था।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वारा दिया गया जय हिन्द का नारा भारत का राष्ट्रीय नारा बन गया है। तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा का नारा भी उनका उस समय अत्यधिक प्रचलन में आया। 1921 में भारत में बढ़ती राजनीतिक गतिविधियों का समाचार पाकर बोस ने सिविल सर्विस की सरकारी नौकरी छोड़ कर कांग्रेस से जुड़ गए। 1928 में जब साइमन कमीशन भारत आया तब कांग्रेस ने उसे काले झण्डे दिखाये। कोलकाता में नेताजी ने इस आन्दोलन का नेतृत्व किया। साइमन कमीशन को जवाब देने के लिये कांग्रेस ने भारत का भावी संविधान बनाने का काम आठ सदस्यीय आयोग को सौंपा। मोतीलाल नेहरू इस आयोग के अध्यक्ष और सुभाष बोस उसके एक सदस्य थे। 26 जनवरी 1931 को कोलकाता में राष्ट्र ध्वज फहराकर सुभाष एक विशाल मोर्चे का नेतृत्व कर रहे थे तभी पुलिस ने उनको जेल भेज दिया। जब सुभाष बोस जेल में थे तब गांधी जी ने अंग्रेज सरकार से समझौता किया और सब कैदियों को रिहा करवा दिया। लेकिन अंग्रेज सरकार ने सरदार भगत सिंह जैसे क्रान्तिकारियों को रिहा करने से साफ इन्कार कर दिया। भगत सिंह की फांसी माफ कराने के लिये गांधी जी ने सरकार से बात तो की परन्तु नरमी के साथ। सुभाष चाहते थे कि इस विषय पर गांधीजी अंग्रेज सरकार के साथ किया गया समझौता तोड़ दें। लेकिन गांधीजी अपना वचन तोडने को राजी नहीं थे। अंग्रेज सरकार द्वारा भगत सिंह व उनके साथियों को फांसी दे दी गयी। भगत सिंह को बचा नहीं पाने पर सुभाष बोस गांधीजी और कांग्रेस से बहुत नाराज हो गये। 1930 में सुभाष कारावास में रहते हुये ही कोलकाता महापौर का चुनाव जीतने पर सरकार उन्हें रिहा करने पर मजबूर हो गयी। 1932 में सुभाष को फिर से कारावास हुआ। इस बार उन्हें अल्मोड़ा जेल में रखा गया। अल्मोड़ा जेल में उनकी तबियत फिर से खराब होने पर सुभाष इलाज के लिये यूरोप चले गये। सन 1933 से लेकर 1936 तक सुभाष यूरोप में रहे। यूरोप में सुभाष इटली के नेता मुसोलिनी से मिले। जिन्होंने उन्हें भारत के स्वतन्त्रता संग्राम में सहायता करने का वचन दिया। 1938 में गांधीजी ने कांग्रेस के हरिपुरा वार्षिक अधिवेशन में अध्यक्ष पद के लिए सुभाष को चुना तो था मगर उन्हें उनकी कार्यपद्धति पसन्द नहीं आयी। इसी दौरान यूरोप में द्वितीय विश्वयुद्ध के बादल छा गए थे। सुभाष चाहते थे कि इंग्लैंड की इस कठिनाई का लाभ उठाकर भारत का स्वतन्त्रता संग्राम अधिक तीव्र किया जाये। उन्होंने अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में इस ओर कदम उठाना भी शुरू कर दिया था। परन्तु गांधीजी इससे सहमत नहीं थे। 1939 में जब नया कांग्रेस अध्यक्ष चुनने का वक्त आया तब सुभाष चाहते थे कि कोई ऐसा व्यक्ति अध्यक्ष बनाया जाये जो इस मामले में किसी दबाव के आगे बिल्कुल न झुके। ऐसा किसी दूसरे व्यक्ति के सामने न आने पर सुभाष ने स्वयं कांग्रेस अध्यक्ष बने रहना चाहा। लेकिन गांधीजी उन्हें अध्यक्ष पद से हटाना चाहते थे। गांधीजी ने अध्यक्ष पद के लिये पट्टाभि सीतारमैया को चुना। बहुत बरसों बाद कांग्रेस पार्टी में अध्यक्ष पद के लिये चुनाव हुआ। चुनाव में नेताजी सुभाष को 1580 मत व सीतारमैय्या को 1377 मत मिले। गांधीजी के विरोध के बावजूद सुभाष बाबू 203 मतों से चुनाव जीत गये। गांधीजी ने पट्टाभि सीतारमैय्या की हार को अपनी हार बबताया। इसके बाद कांग्रेस कार्यकारिणी के 14 में से 12 सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया। 3 मई 1939 को सुभाष ने फॉरवर्ड ब्लॉक के नाम से अपनी पार्टी की स्थापना की। सुभाष चंद्र बोस ने 1937 में अपनी सेक्रेटरी और ऑस्ट्रियन युवती एमिली से शादी की। उन दोनों की अनीता नाम की एक बेटी भी हुई। जर्मनी जाकर नेताजी हिटलर से मिले। 1943 में उन्होने जर्मनी छोड़ दिया। वहां से वह जापान पहुंचे। जापान से वह सिंगापुर पहुंचे। जहां उन्होंने कैप्टन मोहन सिंह द्वारा स्थापित आजाद हिंद फौज की कमान अपने हाथों में ले ली। उस वक्त रास बिहारी बोस आजाद हिंद फौज के नेता थे। उन्होंने आजाद हिंद फौज का पुनर्गठन किया। महिलाओं के लिए रानी झांसी रेजिमेंट का भी गठन किया लक्ष्मी सहगल जिसकी कैप्टन बनी। नेताजी के नाम से प्रसिद्ध सुभाष चन्द्र ने सशक्त क्रान्ति द्वारा भारत को स्वतंत्र कराने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर 1943 को आजाद हिन्द सरकार की स्थापना की जिसे जर्मनी, जापान, फिलीपींस, कोरिया, चीन, इटली, मान्चुको और आयरलैंड ने मान्यता दी। आजाद हिन्द फौज के प्रतीक चिह्न पर एक झंडे पर दहाड़ते हुए बाघ का चित्र बना होता था। नेताजी अपनी आजाद हिंद फौज के साथ 4 जुलाई 1944 को बर्मा पहुँचे। यहीं पर उन्होंने अपना प्रसिद्ध नारा, तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा दिया। खून भी एक दो बूँद नहीं इतना कि खून का एक महासागर तैयार हो जाये और उसमें मैं ब्रिटिश साम्राज्य को डूबो सकूं। 1944 को आजाद हिन्द फौज ने अंग्रेजों पर दोबारा आक्रमण किया और कुछ भारतीय प्रदेशों को अंग्रेजों से मुक्त भी करा लिया। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान आजाद हिन्द फौज ने जापानी सेना के सहयोग से भारत पर आक्रमण किया। अपनी फौज को प्रेरित करने के लिये नेताजी ने दिल्ली चलो का नारा दिया। दोनों फौजों ने अंग्रेजों से अंदमान और निकोबार द्वीप जीत लिये। यह द्वीप आजाद-हिन्द सरकार के नियंत्रण में रहे। नेताजी ने इन द्वीपों को शहीद द्वीप और स्वराज द्वीप का नया नाम दिया। दोनों फौजों ने मिलकर इंफाल और कोहिमा पर आक्रमण किया। लेकिन बाद में अंग्रेजों का पलड़ा भारी पड़ा और दोनों फौजों को पीछे हटना पड़ा। 6 जुलाई 1944 को आजाद हिन्द रेडियो पर अपने भाषण के माध्यम से नेताजी ने गांधी जी को पहली बार राष्ट्रपिता बुलाकर अपनी जंग के लिये उनका आशीर्वाद भी मांगा। आजाद हिन्द फौज के माध्यम से भारत को अंग्रेजों के चंगुल से आजाद करने का नेताजी का प्रयास प्रत्यक्ष रूप में सफल नहीं हो सका। किन्तु उसका दूरगामी परिणाम हुआ। सन 1946 के नौसेना विद्रोह इसका उदाहरण है। नौसेना विद्रोह के बाद ही ब्रिटेन को विश्वास हो गया कि अब भारत में सेना के बल पर शासन नहीं किया जा सकता और भारत को स्वतन्त्र करने के अलावा उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा। विश्व इतिहास में आजाद हिंद फौज जैसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। जहां 30-35 हजार युद्ध बंदियों को संगठित, प्रशिक्षित कर अंग्रेजों को पराजित किया।

पूर्व एशिया और जापान पहुंच कर उन्होंने आजाद हिन्द फौज का विस्तार करना शुरू किया। रंगून के जुबली हॉल में सुभाष चंद्र बोस द्वारा दिया गया भाषण सदैव के लिए इतिहास के पत्रों में अंकित हो गया। नेताजी की मृत्यु के संबंध में विवाद बना हुआ है कि 18 अगस्त 1945 के बाद का सुभाषचन्द्र बोस का जीवन-मृत्यु आज तक अनसुलझा रहस्य बना हुआ है।

कविता

सदगुण अपनाएं

सद्गुण है सच्ची संपत्ति ,
दुर्गुण है बड़ी विपत्ति,
असत्यभाषण, दुराचार
ये फैलाते हैं भ्रष्टाचार,
पूरे यूरोप में फैला है
इसीलिए हो रहा
इतना अत्याचार,
कहीं धन की,
कहीं स्त्री की,
कहीं जमीन की
लिप्सा,स्पृहा, कामना,
हो रहा एक तरफा
अत्याचार
लोग बेबस लाचार,
कमजोर लाचार यूक्रेन को
कपटी मित्रों ने दिया दगा,
उसे समझ ना आया
कौन पराया
कौन अपना सगा,
दोस्तों के उकसावे पर
चढ गया,
युद्ध की सूली पर,
लाखों हुए बेघर
महिलाएं बच्चे हुए लाचार,
पूरा विश्व तमाशा देखते
कर रहा सिर्फ विचार,
ऐसे कपटी मित्रों से अच्छा
एक दिलेर बुद्धिमान दुश्मन

संजीव

श्री राम की वनवास से अयोध्या वापसी

किशन सनमुखदास

22 जनवरी 2024 सोमवार के दिन का इंतजार करते भारत ही नहीं पूरी दुनियां के भक्तों की आंखें तरस गई थी कि कब प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा मंदिर में सुखकारी रूप से होवे और हम प्रभु के जीवंत स्वरूप का दर्शन करें। बता दें कि हमारे बड़े बुजुर्गों ने ऐसा बताया है कि जब किसी भी व्यक्ति गुरु प्रभु महात्मा महामानव महापुरुष इत्यादि के स्वरूप में पूर्ण रूपेण पद्धति प्रक्रिया व धार्मिक अनुष्ठान प्राण प्रतिष्ठा की जाती है तो इसका मतलब यह माना गया है कि, उसमें उस प्राणी में प्राणों का संचार किया गया है, याने दूसरे शब्दों में अनुष्ठान कर उस स्वरूप को जीवित कर दिया जाता है जो अदृश्य रूप में होता है,मानवीय आंखों से दिख नहीं पता परंतु भक्त अगर हृदय की आंखों से देखे तो हाजरा हजूर प्रभु जरूर नजर आएंगे, बस इसी संज्ञान में प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान कर उनमें प्राणों का संचार किया गया है अब भक्तों के देखने का नजरिया है, अगर हृदय की आंखों से हम देखेंगे तो हम हाजरा हजूर प्रभु श्री राम के जीवंत दर्शन होंगे नहीं तो फिर वही कहावत कि,मानो तो मैं गंगा मां हूं ना मानो तो बहता पानी। अगर हृदय में विश्वास है तो हमें पत्थर में भी भगवान दिख जाते हैं, यदि हृदय में आस्थापूर्ण विश्वास नहीं है तो जीवंत प्रभु में भी पत्थर ही नजर आएगा ऐसी चर्चा मेरे दादाजी अक्सर अनेक मौका पर किया करते थे। जो बातें बचपनकी मैने सुनी वह आज जीवंत रूप में देख रहा हूं।पिछले कई दिनों से जिस तरह जोरदार भावपूर्ण तैयारीयों का नजारा हम मीडिया में देख रहे हैं, घर-घर व गांव, मेट्रो सिटी शहर को सजा हुआ, मैंने देखा तो रामायण में लिखी प्रभु श्री राम की वनवास से वापसी का मंजर मैं जीवंत देखने लगा, ऐसा लगा शायद हम हजारों वर्ष पूर्व की स्थिति त्रेतायुग में आ गए हैं। तब प्रभु श्री राम की 14 वर्षों के वनवास से वापसी हुई थी और संपूर्ण अयोध्या में दीपावली से भी बढ़कर माहौल था। हर व्यक्ति खुश था बस!! वही मंजर 22 जनवरी 2024 को देखा जब प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा हुई तो विश्व का हर राम भक्त खुशी से सराबोर होकर झूम उठा, मानो बस!! अब हमें प्रभु श्री राम मिल गए हैं, अब और कुछ नहींचाहिए। प्रभु दर्शन से ही हमारी सारी इच्छाएं पूर्ण हो गई है,यहभारतीयों का भाव पूरी दुनियां ने देख के कहा प्रभु श्री राम की वास्तव में वनवास से वापसी हुई है, जो 500 साल वनवास था जिसे वक्त को फिर दोहरा दिया है, चूंकि प्राण प्रतिष्ठा से पूरा विश्व सराबोर हुआ है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा से प्रभु के जीवंत स्वरूप में आने के आभास से भक्तगण सराबोर हुए हैं। साथियों बात अगर हम 22 जनवरी 2024 को जोरदार ढंग से भावपूर्ण मन से मनाने की करें तो, प्राण प्रतिष्ठा में तैयारी ऐसी थी कि मानो असल दीपावली अबकी बार मनाई जाएगी। गली-चौराहों से लेकर टैक्सी, पेट्रोल पंपों और यहां तक कि घरों में भी राम धुन बज रहा है।

विचार

गणतंत्र का अमृत काल, देश और हम !

डॉ घनश्याम बादल

आजादी के अमृत काल के बाद अब हम गणतंत्र के भी अमृत काल में प्रवेश कर रहे हैं । 2024 का गणतंत्र दिवस आजाद भारत का 75 वां गणतंत्र दिवस है यानी अब हम कह सकते हैं की स्वतंत्रता के साथ-साथ अब हम गणतांत्रिक शासन प्रणाली में भी अमृत घट भरने जा रहे हैं ।

सबका साथ, सबका विश्वास: इसमें दो राय नहीं कि बीते कुछ वर्षों में भारत की प्रतिष्ठा अंतरराष्ट्रीय जगत में बहुत तेजी के साथ बढ़ी है न केवल बढ़ी है अपितु आज वह हर दृष्टि से विश्व के पहले पांच ताकतवर देशों में शुमार है। अब राजनीतिक लक्ष्य साधने की दृष्टि से विपक्ष भले ही कुछ भी कहे लेकिन इसमें शक नहीं है कि आज भारत की आवाज को विश्व के हर मंच पर महत्व एवं सम्मान मिल रहा है । यद्यपि यदि कोई यह कहता है कि यह सम्मान केवल किसी एक या दो सरकारों अथवा दलों या नेताओं की वजह से हुआ है तो यह भी कहना सही नहीं होगा क्योंकि इस पायदान पर पहुंचने के पीछे देश के आम व्यक्ति से लेकर खास व्यक्तियों तक के लहू पसीने का संघर्ष एवं श्रम तथा समर्पण काम कर रहा है।

2024 है बहुत खास: सन 2024 देश के लिए एक बहुत खास वर्ष सिद्ध होने जा रहा है इस वर्ष जहां देश एक बार फिर से लोकसभा चुनाव में होगा वहीं गणतंत्र दिवस भी अपना अमृत वर्ष देख रहा होगा । यदि चुनाव एवं गणतंत्र को आपस में जोड़कर देखा जाए तो दोनों ही एक दूसरे की पूरक एवं पर्याय भी कहे जा सकते हैं। जरा याद कीजिए जिस संक्रांति काल में भारत को स्वतंत्रता मिली थी लगभग उसी समय पाकिस्तान एवं बर्मा तथा दूसरे कई देश भी आजाद हुए थे लेकिन आज इन देशों के मुकाबले भारत की हैसियत एवं उसका महत्व अलग ही नजर आता है तो इसके पीछे शायद खुद को सिद्ध करने का एक जुनून भी था।

हम सच्चे गणतांत्रिक: देशवासियों को याद होगा कि जब भारत को आजाद किए जाने की बातें हो रही थी तब ब्रिटेन ने कहा था कि भारतीय एक आजाद मुल्क होने के काबिल नहीं हैं । यदि उन्हें स्वाधीन कर दिया गया तो बहुत जल्द ही वें आपस में सिरफुटौवल करके नष्ट हो जाएंगे और 1946 तथा 1948 के दंगों को देखकर लगा था कि शायद वें लोग गलत नहीं थे । लेकिन इन दंगों के बाद कभी एक मुल्क रहे पाकिस्तान और भारत दोनों ने अलग-अलग राहें पकड़ी एक मजहबी जुनून के साथ इस्लामिक स्टेट बनने के रास्ते पर चला तो दूसरे ने सच्चे मन से, सच्चा लोकतंत्र एवं सच्ची गणतांत्रिक पद्धति को अपनाया । बस यहीं से फर्क आना शुरू हो गया और यदि यह फर्क आया तो इसका श्रेय तात्कालीन सरकार एवं उसके प्रमुख को देने में कोई बुराई नहीं है।

आगे की सोच, प्रगति का पथ: राजनीति अपने तरीके से देखी और सोचती है और कदम बढ़ाती है लेकिन समय की मांग और जीवन की सच्चाई यह कहती है कि पीछे पलट कर बार-बार पीछे पलट कर देखने वाले जीवन की रेस में पीछे जाते हैं इसमें व्यक्ति हों या राष्ट्र दोनों पर ही इसका विपरीत प्रभाव पड़ता है इसलिए हमने भूतकाल में क्या किया कितना गर्व एवं गौरव हासिल किया या फिर हमसे क्या गलतियां हुई क्या पाप हुए कितनी कमी आ रही उन पर बहुत ज्यादा वक्त बर्बाद करने से बेहतर है आगे सोचा जाए जो आगे की सोच कर चलता है वह निश्चित रूप से आगे जाता है गणतंत्र के अमृतकाल वर्ष में भी देश को इसी नजरिए के साथ आगे बढ़ाना है।

जरूरी है आत्म मूल्यांकन: यदि पिछले वर्ष पर एक नजर डाली जाए तो बहुत सारी अच्छी एवं खराब बातें याद आ सकती हैं। अच्छी बातों में चंद्रयान मिशन, आदित्य मिशन, अर्थव्यवस्था की दृष्टि से पांचवें स्थान पर पहुंचना, कृषि में बंपर उत्पादन के साथ-साथ खेलों में वैश्विक प्रतियोगिताओं में लगातार निखरता हुआ प्रदर्शन हमें स्वर्णिम गणतंत्र का एहसास दिला सकते हैं लेकिन साथ ही साथ जिस प्रकार से अपराध बढ़ रहे हैं खासतौर पर महिलाओं एवं बच्चों के प्रति जो अमानवीय दृष्टिकोण पिछले वर्ष देखने को मिला वह हमारी सारी भौतिक प्रगति पर एक बड़ा प्रश्न वाचक चिन्ह लगाने के लिए काफी है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक रवि भारद्वाज, दैनिक एक्शन इंडिया कार्यालय, 7/1, बल्लूपुर रोड, डॉ टीपी पटनायक के सामने, कृष्ण नगर चौक के पास, देहरादून, उत्तराखण्ड ने मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, शक्ति कॉम्प्लेक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110042 से छपवाकर प्रकाशित किया। "एक्शन इंडिया" में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक केवल पीआरबी एक्ट के तहत ही उत्तरदायी। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी
समूह संपादक : रवि भारद्वाज (9999889104)
स्थानीय संपादक : हिमांशु अनिकेत (9837313943)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अत: समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

बच्चे प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं

विजय गर्ग

इसमें कोई शक नहीं कि आधुनिक युग में मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के कारण बच्चे दिन-ब-दिन प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं। ऐसे में हम बच्चों को प्रकृति के करीब कैसे लायें इसमें कोई शक नहीं कि आधुनिक युग में मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के कारण बच्चे दिन-ब-दिन प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं। ऐसे में हम बच्चों को प्रकृति के करीब कैसे ला सकते हैं, ताकि वे भी इसका महत्व समझें। पार्क करना या टहलनाले लेना बच्चे को सुबह या शाम कभी भी पार्क में घुमाने ले जाएँ, जहाँ वह तरह-तरह के पेड़-पौधे, आकाश, पक्षी, सूरज आदि देखता है और जिज्ञासावश प्रश्न पूछता है। सूरज को उगते या डूबते हुए देखें, पक्षियों की चहचहाहट सुनें, दूसरे बच्चों को मिट्टी और घास में खेलते हुए देखें। अगर आप पार्क नहीं जा सकते तो उन्हें घर की छत या बालकनी पर ले जाएं और प्रकृति का अनुभव कराएं। ऐसा करने से वे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। सोशल मीडिया से दूर रहें जब बच्चे स्क्रीन पर बहुत अधिक समय बिताते हैं,उनका दिमाग विस्तार से सोचने की क्षमता खो देता है और वे किसी और चीज में रुचि नहीं दिखाते हैं। वे सोशल मीडिया के आदी हो जाते हैं, जिसके कारण वे प्रकृति से पूरी तरह कट जाते हैं। इसलिए जितना हो सके उन्हें सोशल मीडिया और इंटरनेट से दूर रखने की कोशिश करें। वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करें बच्चों को पौधों की नर्सरी में ले जाएं और उनसे उनकी पसंद के पौधे खरीदने को कहें। इससे उनका इस काम में मन लगेगा और घर या बगीचे में गमले लगाकर रोजाना पानी देने का काम करेंगे। इसे बढ़ते हुए देखनाइससे उन्हें जो प्राकृतिक खुशी मिलेगी वह उन्हें अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करेगी। इसे चिड़ियाघर या पिकनिक पर ले जाएं बच्चे को चिड़ियाघर ले जाने से वह विभिन्न प्रकार के जानवरों और पौधों को करीब से देखता है और जिज्ञासावश कई प्रश्न पूछता है। जब वे पिकनिक पर जाते हैं, तो उन्हें घर के बाहर एक रोमांचक अनुभव होता है, जहाँ वे खुलकर खाते हैं, पीते हैं और खेलते हैं। दैनिक गतिविधियों से दूर रहकर यह सब करने से बच्चों के बौद्धिक विकास में मदद मिलती है।

रेबड़ी ही रेबड़ी

डॉ. सुरेश कुमार

कुर्सी पर बने रहने के लिए अश्रु जल ही पाद्य है, लंबी-लंबी फेंकना ही अर्ध्य है, झूठे आश्वासन ही आचमन हैं, टेलिप्रांप्टर भाषण ही मधुपर्क है, नए गुलदस्ते में पुराने फूल ही पुष्प हैं, रंग बदलना ही धूप है, दीपक है, शत्रुओं को चुप कराना ही चंदन है और पूँजीपतियों की जेब भरना ही विल्वपत्र है, लंबी रेस का घोड़ा बने रहने के आँगन में सौंदर्य तृष्णा रूपी खूँटा है, कुसीर्धारी का प्राण पुंज छाग उसमें बंध रहा है। पूँजीपति के सिर का खप्पर और प्रीति स्नेह है, प्रत्येक पाँच वर्ष के ठीक कोई न कोई नौटंकी या ड्रामा इसमें महाष्टमी है, और रेबड़ियाँ यौवन है। चुनाव घोषणा करके होम के समय यौवन रेबड़ियाँ कुर्सीपति के प्राण समिधाओं में मोहाग्नि लगाकर शत्रु तंत्र से मंत्रों से आहुति दे ह्यमानखण्ड के लिए शत्रु स्वाहाह्ल, ह्यबात मनवाने के लिए ईडी, आईटी आवाह्ल, ह्यप्रभावशाली कंलकियों को अपने गुट में मिलाने के लिए वाशिंग मशीन में धोवाह्ल ह्यमन प्रसन्न करने के लिए यह लोक परलोक स्वाहाह्ल इत्यादि, होम के अनन्तर हाथ जोड़कर स्तुति करना पड़ता है।

हे रेबड़ी देवी ! मोहमाया की कुर्सी रूपी अनंत नभ में तुम गुब्बारा हो, क्योंकि बात-बात में आकाश में चढ़ जाती हो, पर जब धक्का दे देती हो तब चुल्लू भर पानी में डूबकर मरने का मन करता है अथवा पर्वत के शिखरों पर हाड़ चूर्ण हो जाते हैं। जीवन के मार्ग में तुम रेलगाड़ी हो। जिस समय रसना रूपी एन्जिन तेज करती हो, एक घड़ी भर में चौदह भुवन दिखला देती हो। कार्यक्षेत्र में तुम सूचना क्रांति हो, बात पड़ने पर एक निमेष में उसे देशदेशांतर में पहुँचा देती हो। तुम संकटकाल में जहाज हो, बस अधम को पार करा दो।

तुम इंद्र हो. कुसीर्धारी-कुल के दोष देखने के लिए तुम्हारे सहस्त्र नेत्र हैं। स्वामी पर शासन करने को तुम वज्रपाणि हो। रहने का स्थान कालाधनगढ़ है, क्योंकि जहाँ तुम हो वहीं जीत है। तुम वोट हो। तुम्हारा जादू झकास है, उससे हार का अंधकार दूर होता है। तुम्हारा प्रेम अमृत है, जिसके प्रारब्ध में होता है वह उसी को चुनाव जिता देता है और लोक में जो व्यर्थ पराधीन कहलाता हो वही तुम्हारा शत्रु है।

न्यूज फ्लैश

अयोध्या में श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर बांटे लड्डू

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। **आज** अयोध्या में श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर मेरा मिशन स्वस्थ भारत की टीम द्वारा मिशन प्रमुख दिनेश गुलाटी के नेतृत्व में सभी शिक्षकों एवम साधकों द्वारा श्री कृष्ण मंदिर सेक्टर-14 में एक भव्य आयोजन किया गया, जिसमें दीप प्रज्वलित किए गए। इसके बाद श्री राम के भजनों के साथ योग सत्र किया गया एवम सभी के द्वारा भजनों के साथ प्रभु श्री राम की आराधना की गई। सारा मंदिर श्री राम के जयघोष से गूंज उठा। समारोह के अंत में सभी को लड्डू का प्रसाद वितरित किया गया। मिशन प्रमुख दिनेश गुलाटी ने सभी देशवासियों को प्राण प्रतिष्ठा की बधाई दी।

20 ग्राम स्मैक सहित आरोपी गिरफ्तार

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस **सीआईए** टू की टीम ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर आरोपी आजम पुत्र साजिद वासी भूरा निवासी जिला शामली उत्तर प्रदेश को नजदीक रविदास चौंक मेरठ रोड करनाल से गिरफ्तार किया है। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 20 ग्राम स्मैक बरामद की गई है। इस संबंध में आरोपी आजम के खिलाफ थाना सेक्टर 32-33 में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस पूछताछ में पाया गया कि आरोपी जल्दी अमीर बनने के लालच में स्मैक जिला मेरठ उत्तर प्रदेश से लेकर आता है और यहां लाकर ऊंची कीमत में बेचकर पैसे कमाता है। आरोपी आजम को न्यायालय में पेश करके दो दिन का रिमांड हासिल किया गया। रिमांड के दौरान आरोपी से गहनता से पूछताछ की जाएगी और जिस व्यक्ति से स्मैक लाई गई है, उसकी भी गिरफ्तारी की जाएगी।

सीएम मनोहर लाल ने डेरा बाबा जोध सचियार में मत्था टेक कर लंगर ग्रहण किया

पानीपत/कमाल हुसैन

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल शोभा यात्रा के समापन के बाद सर्वसांझीवालता का प्रतीक डेरा बाबा जोध सचियार में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी व भगवान श्री राम के सामने मत्था टेक कर प्रदेशवासियों के लिये मंगल कामना की मन्नत मांगी। वहीं डेरा बाबा जोध सचियार के प्रधान व हांसी के विधायक विनोद भयाना व कमेटी के सभी सदस्यों ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने डेरे पर मत्था टेकने के बाद गुरु घर का लंगर प्रसाद ग्रहण किया। मुख्यमंत्री ने कमेटी के सरपरस्त भाई रामनाथ भयाना से मिल कर उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। वहीं कमेटी डेरा बाबा जोध सचियार ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल को आशीर्वाद सवरूप सरोपा, बाबा जी व भगवान श्री राम की फोटो भेंट की गई। इस अवसर पर महासचिव सुरजीत सिंह भयाना,सहसचिव राकेश भयाना, वेद बठला, जसपाल सिंह भयाना, कमल भयाना, नरेंद्र भयाना, गुलशन भयाना,अशोक भयाना, सुरेश बजाज,यशपाल ग्रोवर, हरभजन भयाना व मित्रसेन ऐलावादी मौजूद रहे।

'मंदिर वहीं बनाया है, 22 जनवरी 2024 को नया सवेरा आया है'

श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा देख मन हुआ भावविभोर, नए युग का हुआ प्रारंभ, श्री कर्णेश्वर महादेव मंदिर में अयोध्या श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को देखा लाइव

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अयोध्या में आयोजित श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण करनाल के श्री कर्णेश्वर महादेव मंदिर से देखा। कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम देखकर मन भाव विभोर हो गया है। इस प्रसन्नता में न केवल पूरे देश, बल्कि विश्व के करोड़ों लोग शामिल हैं। एक नए युग का प्रारंभ हुआ है।

करनाल में आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हम कहते थे कि सौगंध राम की खाते हैं, हम मंदिर वहीं बनाएंगे, लेकिन कांग्रेस के लोग कहते थे मंदिर वहीं बनाएंगे लेकिन तारीख नहीं बताएंगे। हम श्रीराम के वंश हैं, मंदिर वहीं बनाया है, 22 जनवरी 2024 को एक नया सवेरा आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हर्ष और खुशी का दिन है। इस अवसर पर उन्होंने हरियाणा ही नहीं बल्कि पूरे देश की जनता को हार्दिक बधाई दी।

श्रीराम के प्रति आस्था देख बच्चे को गोद में लेकर झूम उठे मुख्यमंत्री: कार्यक्रम के दौरान एक नन्हें बच्चे ने भगवान श्रीराम के जयकारे लगाए। बच्चे की भगवान श्रीराम में आस्था देखकर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने उसे गोद में उठा लिया और उसे लेकर झूमने लगे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम की शुरूआत में रामभजन की पंक्तियां भी गुनगुनाई। उन्होंने गाया कि देश का बच्चा-बच्चा राम है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने भगवान श्री राम के जयकारे लगाए।

गौशालाओं को दिया अनुदान का चैक: मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर करनाल जिला की तीन गौशालाओं को अनुदान का चैक दिया। इस दौरान उन्होंने अखाड़ा बाबा साहिब गिरी गऊ चिकित्सालय को 2 लाख 10 हजार रुपये, श्री कृष्ण कृपा गऊशाला को 6 लाख 72 हजार रुपये और श्री राधाकृष्ण गौशाला को 9 लाख 3 हजार रुपये की अनुदान राशि का चैक दिया।

हमारी आस्था के लिए बड़े गौरव का दिन : संजय भाटिया

करनाल के सांसद संजय भाटिया ने भगवान श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की देश और प्रदेशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमारी आस्था के लिए आज बड़ा ही गौरव का दिन है। 500 वर्षों के संघर्षों के बाद, जिस दौरान हमारे बुजुर्गों ने कुर्बानी दी, जो सपना उन्होंने देखा था, आज वह पूरा हुआ है। श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर बन गया है। उन्होंने कहा कि लोगों में बहुत उत्साह है, इसका प्रमाण एक दिन पहले पानीपत में आयोजित शोभा यात्रा में देखने को मिला, जब लाखों की संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया और प्रभू श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर उत्सव मनाया। मैं भगवान श्रीराम से प्रार्थना करूंगा कि प्रत्येक जनमानस की मनोकामना पूरी करे।

लोक कलाकारों ने भजन कीर्तन से श्रद्धालुओं को किया भक्ति रस से सराबोर: अयोध्य में श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर स्थानीय श्री कर्णेश्वर महादेव मंदिर के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में सूचना, जन संपर्क, भाषा एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के लोक कलाकारों ने भजन कीर्तन से श्रद्धालुओं को प्रभु श्री राम की भक्ति रस से सराबोर किया।

करनाल के पूर्व जिला सूचना एवं जन संपर्क अधिकारी धर्मबीर सिंह द्वारा रचित लोक गीत श्री राम के वंशज है हम, मंदिर वहीं बनाया है, 22 जनवरी सन 2024 को नया सवेरा आया है, पर श्रद्धालु झूम उठे और पूरा पंडाल जय श्री राम, जय श्री राम के नारे से गूंज उठा।

स मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष योगेंद्र राणा, मेयर रेनू बाला गुप्ता, मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि संजय बठला, मीडिया कोऑर्डिनेटर जगमोहन आनंद, स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के उपाध्यक्ष सुभाष चन्द्र, हरियाणा पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग कल्याण निगम की चेयरपर्सन निर्मल बैरागी, हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष आजाद सिंह, हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के पूर्व सदस्य अमरनाथ सौदा, भाजपा जिला महामंत्री राजबीर शर्मा व सुनील गोयल, कोष अध्यक्ष बृज गुप्ता, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रवीन लाठर, भाजपा नेता जगदेव पाढा, ईलम सिंह, हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के जिला अध्यक्ष एवं श्री राधा कृष्ण गौशाला के संचालक कृष्ण लाल तनेजा व सचिव हरमीत सिंह हैपी, श्री कर्णेश्वर महादेव मंदिर कमेटी के पदाधिकारी रविन्द्र अग्रवाल व आर.के. शर्मा सहित विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि और प्रशासन की ओर से उपायुक्त अनीश यादव, पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन, एसडीएम करनाल अनुभव मेहता भी उपस्थित रहे।

अमेरिका भेजने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। थाना सेक्टर 32-33 की टीम द्वारा विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले आरोपी रजत भूटानी पुत्र राजेश कुमार निवासी आदर्श नगर करनाल को अमृतसर से गिरफ्तार किया गया है।

इस संबंध में शिकायतकर्ता आशीष वासी सेक्टर-32 करनाल ने शिकायत दी थी कि आरोपी रजत वासी करनाल ने मुझे और मेरे दोस्त विशु चौधरी को अमेरिका भेजने का आश्वासन देकर हमसे पौने सोलह लाख रुपए की धोखाधड़ी की है। आरोपी रजत द्वारा पैसे लेकर न हमको अमेरिका भेजा गया और न ही हमें हमारे पैसे वापिस दिए गए। शिकायत के आधार पर नामजद आरोपी की खिलाफ थाना सेक्टर 32-33 में 18 जनवरी को 24 इमिग्रेशन एक्ट और आईपीसी की धारा 406 और 420 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

इस मामले में तुरंत कार्यवाही

करते हुए पुलिस टीम द्वारा आरोपी रजत को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसका रिमांड हासिल किया गया। रिमांड के दौरान आरोपी से गहनता से पूछताछ कर बरामदगी की जाएगी।

जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की फाइनल रिहर्सल 24 जनवरी को

पानीपत/कमाल हुसैन

स्थानीय शिवाजी स्टेडियम के प्रांगण में बुधवार को जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की फाइनल रिहर्सल का आयोजन किया जाएगा। फाइनल रिहर्सल में उपायुक्त डॉ वीरेंद्र कुमार दहिया ने बतौर मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे। एडीसी वीना हुड्डा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दिन उपायुक्त राष्ट्रीय ध्वज फहराकर परेड का निरीक्षण करेंगे।

उन्होंने बताया कि फाइनल रिहर्सल में पुलिस विभाग के पुरुष व महिला वर्ग, होमगार्ड तथा एनसीसी महिला का शानदार मार्चपास्ट होगा वहीं विभिन्न विद्यार्थियों द्वारा पीटी शो, डंबल शो व लेजियम तथा देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार तरीके से प्रस्तुति दी जाएगी।

मंदिरों में लगे श्री राम के जयकारे

प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण बडी स्क्रीन पर लोगों ने देखा

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। शहरभर के मंदिर आज श्री राम के जयकारों से गूंज उठे। अयोध्या में श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के अवसर पर श्री विश्वकर्मा मंदिर शिवकलोनी और प्रेम कॉलोनी स्थित हनुमान मंदिर में सुबह 10 बजे हवन हुआ और 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक अयोध्या धाम से प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण बडी स्क्रीन पर लोगों ने देखा। अंत में सभी ने मिलकर सामूहिक आरती की और भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। लाइव कार्यक्रम के दौरान महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने श्रीराम के जयकारे लगाकर नृत्य भी किया।

शिव कॉलोनी स्थित श्री विश्वकर्मा मंदिर में श्रीराम, सीता, लखन, हनुमानजी एवं महर्षि वाल्मीकि जी की झांकी बीएस स्कूल से आई, जिसका मंदिर में पुष्प वर्षा करके स्वागत किया। राम परिवार का अभिषेक करने के बाद सभी ने भगवान की आरती की। आरती करने के पश्चात भंडारा कराया गया। इसके अलावा आज श्री वैष्णो देवी मंदिर, श्री राधे कृष्ण मंदिर, श्री रामभक्त श्री हनुमान मंदिर, बालाजी मंदिर में भी भजन, कीर्तन और सीधा प्रसारण दिखाया गया और बाद मे सभी मंदिरों ने भंडारा लगाया गया।

साढ़े 8 लाख रुपए और बाइक लेकर सुपरवाइजर हुआ फरार, मामला दर्ज, जांच शुरू

फैक्टरी मालिक ने उसे अपनी किसी पार्टी के घर से पेमेंट लाने के लिए भेजा था, वह पेमेंट लेने गया, लेकिन पेमेंट लेकर वापस ही नहीं लौटा

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस करनाल की एक फैक्ट्री का सुपरवाइजर साढ़े 8 लाख रुपए लेकर फरार हो गया। फैक्टरी मालिक ने उसे अपनी किसी पार्टी के घर से पेमेंट लाने के लिए भेजा था। वह पेमेंट लेने गया, लेकिन पेमेंट लेकर वापस ही नहीं लौटा। इसके बाद मालिक को शक हुआ और उसने कॉल किया तो कर्मचारी का फोन बंद मिला।

वह सुपरवाइजर के घर भी पहुंचा, लेकिन वहां उसे पता चला कि आरोपी तो दो दिन से घर ही नहीं है। फैक्ट्री मालिक ने सेक्टर 32-33 थाना पुलिस को पूरे मामले की शिकायत दी और पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सैक्टर-7 निवासी अमन अरोड़ा ने बताया कि करनाल के सेक्टर-3 में गणपति लैमिनेटर के नाम से उसकी फैक्टरी है, जिसमें वह पैकिंग मटेरियल बनाने का काम करते हैं। फैक्टरी में करनाल के जुंडला गेट का रहने वाला रोहित शर्मा भी पिछले 5 माह से सुपरवाइजर के पद पर काम करता था, जिसका काम पार्टी से पैसे लेकर उन्हें बैंक में जमा करवाने का था।

अमन ने पुलिस को दी शिकायत में

धोखाधड़ी

8 वह सुपरवाइजर के घर भी पहुंचा, लेकिन वहां उसे पता चला कि आरोपी तो दो दिन से घर ही नहीं पहुंचा

बताया है कि उसने रविवार को सेक्टर-7 निवासी करण पुरी से साढ़े 8 लाख रुपए की पेमेंट लेनी थी। पेमेंट तैयार थी, लिहाजा उसने रोहित को करण के पास पेमेंट लेने के लिए भेजा और कहा था कि यह पेमेंट मेरे घर पर दे दे। रोहित फैक्टरी की बाइक पर करण के पास गया। उसने वहां से पेमेंट ली, लेकिन इसके बाद आरोपी न तो घर पहुंचा और न ही फैक्टरी लौटा।अमन ने बताया कि देर शाम तक रोहित का कोई पता नहीं चला तो उसकी उसकी चिंता और भी बढ़ गई, क्योंकि रोहित के पास एक मोटी रकम कैश थी। उसने रोहित को कॉल किया तो उसका फोन स्विच ऑफ आया।

वह जुंडला गेट पर रोहित के घर भी गया, जहां घरवालों ने बताया कि रोहित तो दो दिन से घर भी नहीं आया। सेक्टर 32-33 थाना के जांच अधिकारी विक्रम सिंह ने बताया कि अमन ने अपने कर्मचारी रोहित पर साढ़े 8 लाख की पेमेंट लेकर फरार होने का आरोप लगाया है और शिकायत दी है। आरोपी बाइक लेकर भी गया है।

छात्रवृत्ति योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रिता : डॉ वीरेंद्र

पानीपत/कमाल हुसैन

डीसी डॉ वीरेंद्र कुमार दहिया ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से वर्ष 2023-24 की अवधि के लिए डा. भीमराव अम्बेडकर मेधावी संशोधित छात्रवृति योजना के तहत सरल पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। छात्र आगामी 31 जनवरी तक आवेदन कर सकते हैं। डीसी ने बताया कि अनुसूचित वर्ग के जिन शहरी विद्यार्थियों के कक्षा दसवीं में 70, कक्षा बारहवीं में 75 व स्नातक कक्षाओं में 65 प्रतिशत अंक हैं वे इस छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसी प्रकार गांवों में अनुसूचित वर्ग के विद्यार्थी के कक्षा दसवीं में 60, बारहवीं में 70 व स्नातक कक्षा में 60 प्रतिशत अंक होने चाहिए। इसी प्रकार पिछड़ा वर्ग-ए के शहर में रहने वाले विद्यार्थी ने मैट्रिक में 70 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्र में 60 प्रतिशत अंक होने चाहिए। पिछड़ा वर्ग-बी के शहरी छात्र या छात्रा के मैट्रिक में 80 एवं ग्रामीण विद्यार्थी के 75 प्रतिशत अंक होने चाहिए तभी वह योजना का पात्र होगा।

जिला कल्याण अधिकारी जयपान हुड्डा ने बताया कि इन विद्यार्थियों को आठ हजार रुपए दसवीं पास होने पर, एससी आवेदक को बारहवीं पास करने पर आठ से दस हजार रुपए तथा स्नातक पास होने के बाद 9 से 12 हजार रुपए आगे की पढ़ाई के लिए दिए जाएंगे। डा. भीमराव अंबेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के लिए विद्यार्थी के परिवार की वार्षिक आय चार लाख रुपए से कम का प्रमाण-पत्र, रिहायशी प्रमाण पत्र, बैंक पास बुक, वर्तमान अध्ययनरत कक्षा का आईडी कार्ड या प्रमाण, मार्कशीट, फैमिली आईडी आदि दस्तावेज आवेदन के साथ लगाने होंगे।

कांग्रेस संदेश यात्रा का पानीपत ग्रामीण में पहुंचने पर होगा भव्य स्वागत: ओमवीर सिंह

'हरियाणा में कांग्रेस सन्देश यात्रा से भाजपा-जजपा की सरकार घबराई'

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत

कमाल हुसैन कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव व उत्तराखंड प्रभारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री बहन कुमारी शैलजा व राष्ट्रीय महासचिव एव राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला व विधायक किरण चौधरी के द्वारा हरियाणा में कांग्रेस पार्टी को मजबूती प्रदान करने के लक्ष्य को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे व जननायक राहुल गांधी के सन्देश को यात्रा के माध्यम से घर घर पहुचाने के लिये 17 जनवरी को हिसार की सब्जी मंडी से कांग्रेस सन्देश यात्रा का शखानन्द किया गया जोकि हरियाणा की सभी लोकसभा व तमाम विधानसभाओं को छूते हुए पार्टी को मजबूती प्रदान करेगी । वरिष्ठ कांग्रेस नेता व समाजसेवी ओमवीर ने पानीपत ग्रामीण विधानसभा के कार्यकर्ताओ का मीटिंग आयोजन महादेव कालोनी में स्थित गुलजार गार्डन में किया । जिसमें काफी संख्या में कर्तकर्ता ने भाग लिया। उपस्थित कार्यकर्ताओ की बैठक को सम्बोधित करते कहा कि आज समय बदलाव की ओर है हरियाणा में भाजपा-जजपा की सरकार से लोग तंग आ चुके । उन्होंने 24 जनवरी को पानीपत में आने वाली कांग्रेस सन्देश यात्रा का मिनी सचिवालय स्काईलाक के सामने जीटी रोड़ पर 2 बजे यात्रा का 36 बिरादरी के लोगो द्वारा ऐतिहासिक व भव्य स्वागत किया जायेगा।

गांव बारना में दर्जनों लोगों ने थामा भाजपा का दामन: सुधा

टीम एक्शन इण्डिया/कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक) विधायक सुभाष सुधा ने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश ने एकदम करवट बदली है। मोदी के नेतृत्व में देश के अंदर काफी परिवर्तन आए हैं। देश का इंफ्रास्ट्रचर मजबूत हुआ है। भारत विश्व में एक बड़ी ताकत के रूप में उभरा है। देश की दशा और दिशा बदली है। एक समय ऐसा था जब भारत अनेक मामलों में काफी पीछे था, लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक व्यवस्था वाला देश बन

गया है। दुनिया जो सोच नहीं सकती थी वे अविश्वनीय कार्य मोदी के नेतृत्व मे हुए हैं।विधायक सुभाष सुधा सोमवार को गांव बारना में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मनोहर लाल की कार्यशैली और पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर बारना से राहुल कुमार, देवा कुमार, मनीष कुमार, साहिल, सचिन कुमार, अजय कुमार, विजय कुमार, रवि कुमार, कर्ण कुमार, सौरव कुमार, दीपक कुमार, संजय कुमार, बिंद्र, प्रवीण कुमार, सुखविंद्र, विवेक कुमार, जितेश कुमार, प्रदीप कुमार ने भाजपा पार्टी को विधायक सुभाष सुधा और भाजपा युवा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य साहिल सुधा के नेतृत्व में ज्वाईन किया है। विधायक ने कहा कि मोदी सरकार ने गरीबों की चिंता की है। हर गरीब के घर में रसोई गैस सिलेंडर, हर घर नल से जल, आयुष्मान कार्ड दिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी की सोच है कि कोई भी गरीब परिवार सुविधाओं से वंचित नहीं रहना चाहिए।

विश्व हिंदू परिषद और आरएसएस के कार्यकर्ताओं की मेहनत लाई रंग

जिला के 300 से अधिक गांवों में एलईडी लगाकर देखा गया लाइव प्रोग्राम, 509 मंदिरों में भजन कीर्तन व भंडारे का हुआ आयोजन

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। 500 वर्ष के लम्बे इंतजार के बाद भगवान श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के भव्य समारोह में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बाल स्वरूप में भगवान श्री राम की प्रतिमा का धार्मिक रीति-रिवाज के साथ उनके जन्म स्थान अयोध्या में 12 बजकर 29 मिनट 8 सेकंड में अनावरण हो गया।

इस भव्य समारोह के उपलक्ष्य में देशभर के मंदिरों व अन्य स्थानों पर भी धार्मिक कार्यकर्मो का भी आयोजन हुआ। जिन धार्मिक कार्यक्रमों में भजन बंदगी, कीर्तन भण्डारे व मंदिरों में एलईडी लगाकर समस्त समाज द्वारा लाइव

कार्यक्रम देखा गया।

करनाल जिला विश्व हिन्दू परिषद के जिला मन्त्री व कार्यक्रम के संयोजक नीरज गोयल ने बताया कि जिला के 300 से अधिक गावों में एलईडी लगाकर लाइव प्रोग्राम देखा गया और 509 मंदिरो में भजन कीर्तन व भंडारों का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में करनाल जिला के 119 नगरों में भी लाइव कार्यक्रम का आयोजन हुआ व 183 बस्तियों में भजन कीर्तन व भण्डारों का आयोजन हुआ।

विश्व हिन्दू परिषद के जिलाध्यक्ष सतीश गुप्ता ने बताया कि करनाल जिला के रामभक्तों ने गाँव गाँव, घर घर, नगरों व मंदिरो में ढ़ोल नगाडों, साज बाज व नाच गाकर हर्षोउल्लास के साथ धूमधाम से पर्व की तरह कार्यक्रम मनाया गया। विश्व हिन्दू परिषद के जिला संगठन

भव्य

8 इस भव्य समारोह के उपलक्ष्य में देशभर के मंदिरों व अन्य स्थानों पर भी धार्मिक कार्यकर्मो का भी आयोजन हुआ

मंत्री कुलदीप कुमार ने भगवान श्री राम के सफल धार्मिक कार्यकर्मो के लिये विश्व हिन्दू परिषद व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सभी पदाधिकारीयों को साधुवाद दिया और कहा कि राम जी के इस पावन पवित्र कार्य को विश्व हिंदू परिषद व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के व सामाजिक संस्थाओं के

गांव सनौली खुर्द में विशाल भण्डारे का आयोजन

प्रभु तेरे नाम

8 ग्रामीणों ने अयोध्या में श्री राम मंदिर प्रांण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया

पानीपत /कमाल हुसैन

गांव सनौली खुर्द शिव मंदिर में ग्रामीणों ने अयोध्या में श्री राम मंदिर प्रांण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। इस दौरान श्री राम कथा व श्री राम के भक्ती गीता गाए गए। इस उपरान्त समस्त ग्रामीणों ने सामुहिक रूप से विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। भण्डारे में सभी ने प्रसाद ग्रहण

किया। अयोध्या में श्री राम जन्म भूमि पर श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर महिलाओं ने श्री राम के भजन गीता पर ढोल बाजे के साथ गांव के चारो ओर श्री राम की झांकी निकाली गई। श्री राम के भजनो पर झुमते बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग सभी श्री राम के नारे लगाते हुए जमकर ड़ास किया। इस दौरान श्री राम पर भक्ती गीत भी गाए। आयोध्या में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर गांव सनौली खुर्द के समाजसेवी पंडित मुकेश त्यागी, सरपंच संजय त्यागी, नरेश कुमार, राममेहर त्यागी ने ग्रामीणों को श्री राम मंदिर को लेकर घरो में दीये जला भव्य तैयारी की गई है।

जब निकलें शिशु के दांत

हर मां यही चाहती है कि उसके बच्चों को दांत निकलने में कोई तकलीफ न हो और उसके दांत सुंदर और मजबूत निकलें। कई बार सही जानकारी न होने के कारण अकसर अभिभावक परेशान हो जाते हैं। अगर आपका शिशु भी उम्र की इस अवस्था से गुजर रहा है तो आप इन बातों का ध्यान जरूर रखें :

कैसे हों स्वस्थ दांत

- अगर आप चाहती हैं कि आपके बच्चों के दांत स्वस्थ हों तो इसके लिए गर्भावस्था के समय से ही आपको अपने खानपान पर ध्यान देना चाहिए। आपको दूध, केला, सेब, संतरा जैसे कैल्शियमयुक्त पदार्थों का सेवन करना चाहिए और साथ ही कैल्शियम की गोली भी नियमित रूप से लेनी चाहिए।

- इस दौरान टैट्रासाइक्लिन, आयरन सिरप और एंटीबॉयोटिक दवाओं का सेवन न ही करें तो अच्छा है, क्योंकि अगर गर्भावस्था के दौरान कोई स्त्री इन दवाओं का सेवन करे तो जन्म के बाद बच्चों के जो दांत निकलते हैं, उनमें दाग-धब्बे हो सकते हैं और उनकी बनावट भी टेढी-मेढी हो सकती है।
- प्राय: छह माह से एक वर्ष के भीतर बच्चों के दांत निकलना शुरू हो जाते हैं। अकसर पहले नीचे के दांत और उसके बाद ही ऊपर के दो दांत निकलते हैं। अगर ऊपर के दांत पहले आएं या बच्चों के दांत निकलने में निर्धारित समय सीमा से थोडी देर हो तो घबराना नहीं चाहिए।

क्या होते हैं लक्षण

बच्चों के दांत निकलने का सबसे प्रमुख लक्षण होता है कि उसके मसूढे सख्त हो जाते हैं, उनमें सूजन भी आ जाती है। बच्चा चिडचिडा हो जाता है, अकसर रोता भी रहता है। इसके अलावा वह चीजें भी उठाकर मुंह में डालता है। दरअसल बच्चों के मसूढे के मांस को चीर कर दांत बाहर निकलते हैं, इसलिए उनमें दर्द और खुजली होती है। इस तकलीफ से राहत पाने के लिए वह इधर-उधर की चीजें उठा कर उन्हें चबाने की कोशिश करता है। इससे गंदगी और वायरस उनके शरीर में चले जाते हैं। यही वजह है कि इस दौरान बच्चों को बुखार और लूज मोशन जैसी समस्याएं होने लगती हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

- दांत निकलने के दौरान बच्चे को ऐसी चीजें देनी चाहिए, जिनमें कैल्शियम, प्रोटीन, आयरन, विटमिन और मिनरल्स पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हों।
- दांत निकलने के दौरान बच्चों को केला, उबला हुआ सेब, संतरे का जूस, दाल, खिचडी और सूजी की खीर जैसी चीजें देनी चाहिए।
- उसे ऐसा मल्टी विटमिन ड्रॉप्स भी देना चाहिए, जिसमें विटमिन डी-3 हो। अगर दस माह तक बच्चों के दांत नहीं निकले हैं तो बच्चों को कैल्शियम सिरप देना चाहिए।
- बच्चों को धूप में लिटाना भी फायदेमंद होता है क्योंकि धूप में प्राकृतिक विटमिन डी होता है, जो उसके दांतों और हड्डियों को मजबूत बनाता है।
- दांत निकलने के दौरान बच्चों घुटने के बल चलना सीख रहे होते हैं, इसलिए जमीन में गिरी चीजों को उठाकर मुंह में डालते हैं। इस वजह से घर के फर्श की सफाई का पूरा ध्यान रखें। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि बच्चा जमीन पर गिरी हुई कोई चीज उठाकर मुंह न डालने पाए।
- इस दौरान बच्चों को चबाने के लिए प्लास्टिक के खिलौने दिए जाते हैं, लेकिन ऐसा करते वक्त आप इस बात का ध्यान रखें कि खिलौने गरम पानी से धुले हों ताकि उनमें किसी तरह के कीटाणु न हों।
- इसके अलावा आप बच्चों के हाथ में खाने की कोई ऐसी सख्त चीज पकडा दिया करें, जिससे उसे मसूढे की खुजली से भी राहत मिले और उसकी सेहत को भी कोई नुकसान न पहुंचे। आप उसे गाजर, बिस्किट, नमकपारा आदि दे सकती हैं।

आप इन बातों का ध्यान रखेंगी तो आपके बच्चों को दांत निकलने के दौरान जरा भी परेशानी नहीं होगी।

इन पर भी ध्यान दें

- दांतों की हलके हाथों से नियमित रूप से सफाई जरूरी है।
- दांतों की समस्याओं के लिए सदैव मान्यता प्राप्त व सही डाक्टर से परामर्श लें।
- वर्ष में कम से कम 2 बार दांतों का चेकअप अवश्य करवाएं।
- दांतों की सफाई पर ध्यान न देने पर एड्स व हैपीटाइटिस बी जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। मधुमेह के मरीजों को तो नियमित रूप से दांतों का चेकअप करवाना चाहिए।
- किसी भी प्रकार के धूम्रपान और तंबाकू, पानमसाला आदि के सेवन से भी दांतों में कैंसर की समस्या हो सकती है। इस से दांतों की आयु कम हो जाती है।
- 45 वर्ष की उम्र के बाद महिलाओं में कैल्सियम की कमी के कारण दांतों की अनेक समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं, जिन्हें गंभीरता से लेना चाहिए।
- दांतों की सुंदरता बढ़ाने के कई तरीके हैं। आप ब्लीचिंग व लेमीनेशन जैसी आधुनिकतम सुविधाओं का प्रयोग कर अपने व्यक्तित्व की शोभा बढ़ा सकती हैं।

हेल्थ प्लस

फाइबरयुक्त फूड रखे तनाव से दूर

संतुलित आहार न सिर्फ आपकी सेहत को अच्छा रखता है, बल्कि तनाव को कम करने में मदद करता है। कुछ खास फूड और ड्रिंक्स सीधे तनाव का कारण बनते हैं। जैसे- कॉफी, चाय, चॉकलेट और केक आदि। इनमें कैफीन की मात्रा अत्यधिक पाई जाती है, जिनसे तनाव का स्तर बढ जाता है। इसलिए इनसे बचना ही बेहतर होता है।

क्या खाएं

- अपने आहार में कार्बोहाइड्रेट्स को शामिल करें। चावल, पास्ता, आलू, ब्रेड, लो कैलरीज कुकीज कार्बोहाइड्रेट के प्रमुख स्त्रोत होते हैं इसके। अगर आप दिन में एक बेक्ड आलू या एक कप स्पैगेटी या चावल लेते हैं तो आपका पूरा दिन चिंतामुक्त और तनावमुक्त गुजरेगा।
- अपने आहार में फाइबरयुक्त चीजों को शामिल करें। फाइबर आपकी पाचन-क्रिया को भी दुरुस्त रखता है। आपको अपने भोजन से प्रतिदिन लगभग 25 ग्राम फाइबर प्राप्त होता है। फल, सब्जियां और साबुत अनाज फाइबर के बेहतरीन स्त्रोत हैं। तनाव से बचने के लिए ब्रेकफास्ट में जूस की अपेक्षा पूरा फल खाएं। गेहूं से बनी ब्रेड, होल ग्रेन सीरियल्स लें। साबुत अनाज ब्रेन न्यूरोट्रांसमीटर सेरोटोनिन के उत्पाद को बढाता है, जो आपके सोचने-समझने की शक्ति को बढाता है और तनाव को कम करने में मदद करता है।
- पर्याप्त सब्जियां अपने आहार में शामिल करें। हरी, पीली और नारंगी रंग की सब्जियों में मिनरल्स, विटमिंस और फाइटोकेमिकल्स होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं, ताकि आप तनाव जैसी समस्याओं से लड सकें।

क्या न खाएं

- कैफीनयुक्त भोजन से बचें। कॉफी, ब्लैक टी नुकसानदेह होती है।
- तले और वसायुक्त भोजन से दूर रहें।
- हाई प्रोटीन फूड का भी कम प्रयोग करें।

सेहत संवारने के उपाय

आप अपनी दिनचर्या में कुछ कारगर उपायों को शामिल करके उनका प्रभाव देखें। इसके लिए आपको करना कुछ खास नहीं करना है, बस कुछ छोटी-छोटी किंतु महत्वपूर्ण बातों को अपनाना है।

- वे चीजें, जिनमें कैलरी ज्यादा हो, उन्हें थोडा ब्रेकफास्ट में और थोडा लंच में लें। दिन भर अगर आप गतिशील रहती हैं तो उनसे आपका मैटाबॉलिज्म मजबूत होगा व आपको ज्यादा ऊर्जा मिलेगी। एक्स्ट्रा कैलरीज जल्दी बर्न भी होंगी। डिनर में वसायुक्त भोजन न लें।

- अगर आप हाउसवाइफ हैं, घर में रोजमर्रा के काम करते हुए इस बात का ध्यान रखें कि आपका काम करने का तरीका ऐसा हो, जिससे कैलरीज ज्यादा से ज्यादा बर्न कर पाएं। जल्दी-जल्दी उठने-बैठने की आदत डालें व आलस से दूर रहें।
- लिफ्ट या एलीवेटर के स्थान पर स्टेयर्स (सीढियों) का उपयोग करें।
- रोज एक बाउल ओटमील खाना भी कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए फायदेमंद रहता है।
- यदि ज्यादा खाने की आदत है तो धीरे-धीरे चबाकर खाना खाएं। एक बाइट (ग्रास) को कम से कम 20 मिनट लगाकर चबाएं। अधिक समय लगाने से पेट भरा लगेगा और पाचन-क्रिया ठीक होगी।
- थोडी-थोडी देर में कुछ खाने से भी आप एक बार भर पेट खाना खाने से बच पाएंगी और कम कैलरी लेंगी।
- सूप पसंद है तो उसे बनाकर फ्रिज में रखें। दोबारा गरम करने से पहले उसके ऊपर की टॉपिंग उतार दें, जिससे अतिरिक्त फैट उस पर से हट जाए।
- कैफीन व एल्कोहॉल से बनी चीजों से दूर रहें।
- शरीर में आयरन की कमी पता चले तो रोज पालक का जूस पिएं। प्राकृतिक आयरन हासिल करने का इससे बेहतर स्त्रोत और कोई और नहीं।
- पानी ज्यादा से ज्यादा पीने की आदत बनाएं, इससे लीवर ठीक से काम करेगा, पाचन-क्रिया दुरुस्त रहेगी, जिससे शरीर को फायदा होगा। इसका परिणाम आपके चेहरे पर भी नजर आएगा।
- एक्सरसाइज को अपनी जीवन शैली का हिस्सा बनाएं। उसकी शुरुआत वार्म अप एक्सरसाइज से करें व अंत कूल डाउन से। शरीर को धीरे-धीरे एक्सरसाइज के लिए तैयार करना जरूरी होता है।
- एक्सरसाइज के समय ढीले व नैचरल फैब्रिक से बने हलके कपडे पहनें। ऐसे, जो पसीने को सोख सकें व पहनने में आरामदायक हों।
- यदि आप एक्सरसाइज करते हुए संगीत सुनती हैं तो आप अधिक समय तक एक्सरसाइज करने के साथ उसे एंजॉय भी कर सकती हैं। कुछ भी ऐसा चुनें, जो अलग हटकर हो और आपको पसंद आए। एकाग्रचित्त होने के लिए इससे बेहतर विकल्प कोई नहीं।
- यदि एक्सरसाइज करते समय आपको दर्द, चक्कर, बैचेनी, सांस का सामान्य न रहना तो तुरंत डॉक्टर से राय लें। ध्यान रहे, किसी भी नई एक्सरसाइज की शुरुआत बिना किसी योग्य प्रशिक्षक की देख-रेख के न करें।
- दिन व्यस्तता से भरा हो तो ब्रिस्क वॉक के लिए 20 मिनट निकालें। इससे आपका तनाव कम होगा और मन तरोताजा हो जाएगा।
- वॉकिंग करते वक्त यदि आपके पेट में क्रैम्प्स पड रहे हों तो बीच-बीच में रुकें, कमर पर से आगे की तरफ झुकें, सांस अंदर-बाहर करें, धीरे-धीरे और गहरी सांसें लेकर। इससे आपके पेट के निचले हिस्से के मसल्स को सामान्य होने में मदद मिलेगी।
- व्यस्त रोड या धुएं से भरे कमरे में एकसरसाइज करने से बचें। हमेशा प्रदूषण रहित साफ व खुला वातावरण एक्सरसाइज के लिए चुनें।
- सोच पॉजिटिव रखें व सदा मुस्कराती रहें।
- सोने व उठने का समय नियत करें व प्रतिदिन एक ही समय पर सोने जाएं।
- सोने से कुछ देर पहले लाइट बंद कर दें, जिससे नींद अच्छी आए। कोई अच्छी पुस्तक पढें या मधुर संगीत सुनें, वह नींद मीठी लाने में मदद करेगा।
- स्वास्थ्य से जुडी किसी समस्या के लिए जब भी कभी डॉक्टर के पास जाना हो पूछने वाले प्रश्नों की सूची बनाकर जाएं। जवाब लिख लें, न समझ आने पर दोबारा पूछें। यदि कोई दवा ले रही हैं तो वह भी बताएं। यदि किसी दवा से एलर्जी है तो उसे भी बताना न भूलें।

सिर दर्द

सिर दर्द होने का एक कारण आंखों की कमजोरी भी हो सकता है। आंखें कमजोर होने पर सिर दर्द ही क्यों होता है। यह प्रश्न विचारणीय है।

- सिर दर्द होने के दो कारण प्रमुख हैं- पहला आंखों में कम या ज्यादा भेंगापन होने से मांसपेशियों में असंतुलन होने से दर्द होना, दूसरा दृष्टिदोष, कमजोर नजरें (रिफरेक्टरी एरर) के कारण।
- आंखों में कालापानी या सूजन होने से भी सिर दर्द हो सकता है। आंखों में यदि अधिक दृष्टिदोष है, तो आंखों में तनाव पैदा होने से सिर दर्द होना स्वाभाविक है। इसके अलावा बुखार होने या प्रसव के पश्चात यदि हल्का सा भी दृष्टि दोष आंखों में उत्पन्न हो गया हो, तो सिर में दर्द होता है। सिर में दर्द होना एक आम बीमारी है यदि यह दर्द बार-बार होता है, तो नेत्र रोग चिकित्सक से जांच कराना उपयोगी होगा, क्योंकि सिर दर्द का सम्बन्ध आंखों की सम्बन्ध आंखों की कमजोरी से भी है।

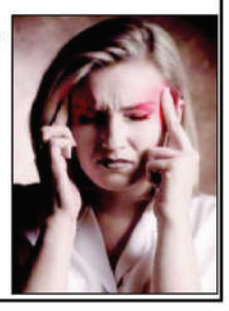

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेंगी। शुभांक-2-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-3-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार है। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-6-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। नये व्यावसायिक अनुबन्ध होंगे। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-1-3-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मुलाकात होगी। शुभांक-1-5-9

काकुरो पहेली - 1965

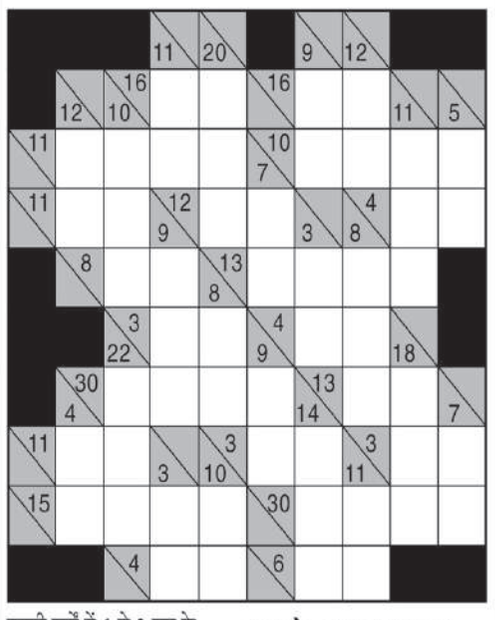

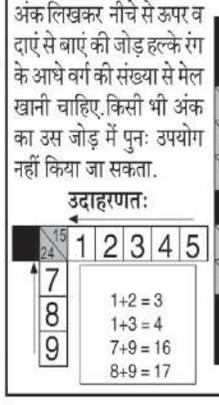

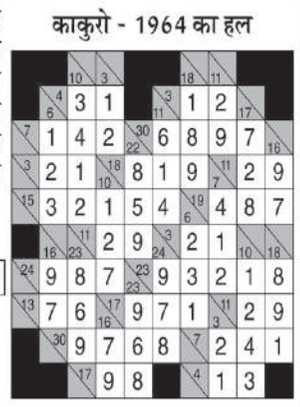

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल के आधे वर्गों की संख्या से मेल खानी चाहिए। किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 1964 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक बूढ़ा समाज सुधारक जेल में बंद युवक चोर को देखकर बोला-'बेटे! तुम किसी बात की परवाह मत करो.जेल से बाहर निकलोगे तो मैं तुम्हारा पथ-प्रदर्शन करूंगा.'

'ठीक कहते हैं आप !' युवक चोर धीरे से बोला-'दरअसल मुझसे भूल हो गई थी जो आप जैसे बुजुर्गों के पथ-प्रदर्शन के बिना ही इस रोजगार में लग गया.'

□ □ □

एक डाक्टर के पास एक वकील बैठा हुआ था. तभी एक औरत ने आकर डाक्टर से कोई सलाह ली और चली गई. उसके जाने के बाद डाक्टर ने वकील से पूछा-'क्या मुझे इससे कुछ लेना चाहिये ?'

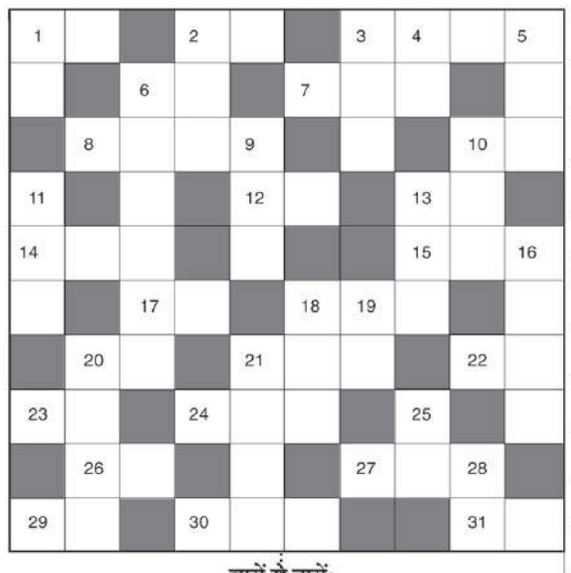

'क्यों नहीं !' वकील बोला-'आखिर तुमने उसे अपनी व्यापारिक सेवाएं प्रदान की हैं.'

'मैं ऐसा ही करूंगा !' डाक्टर बोला. वकील चला गया. फिर अगले दिन डाक्टर जैसे ही बिल बनाने के लिये मेज पर पहुँचा, उसकी नजर एक बिल पर पड़ी. लिखा था-'कानूनी सेवाओं की फीस तीस रुपये.' नीचे वकील का नाम और पता लिखा हुआ था.

□ □ □

महिला-'सुना है आप के सिर में गोबर भरा है.'

आदमी-'जी हाँ पर क्यों ?'

महिला-'जी मुझे गोबर गैस कनेक्शन लेना है.'

फिल्म वर्ग पहेली- 1965

बायें से दायें:-

१. मनोज, विवेक, अंतरा की 'मखमली ये बदन' गीतवाली फिल्म-२
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीतवाली फिल्म-२
३. अभिषेक, ऋषिता भट्टा की फिल्म-४
६. 'बंदा ये बिंदास हैं' गीतवाली फिल्म-२
७. 'मेहंदी' में रानी का नायक?-३
८. 'तुझे देने को मेरे पास' गीतवाली अक्षय खन्ना, उर्मिला की फिल्म-४
१०. शाहरूख, चंद्रचूड, ऐश की फिल्म-२
१२. 'विल यू मैरी मी' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
१३. 'याइला रे लड़की' गीतवाली संजय दत्त, जैकी शिल्पा, की फिल्म-२
१४. इस फिल्म में अभिनय के लिये रवीना को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था-३
१५. 'हरे रामा हरे कृष्णा' से फिल्मों में आई एक ब्यूटी क्वीन-३
१७. 'हुई आँख नम' गीत वाली फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, रणधीर कपूर, राकेश रोशन, रेखा, सनोबर कबीर की फिल्म-३
२०. राजकुमार, सुनीलदत्त वाली फिल्म 'हमराज' की नायिका-२
२१. 'ये रात ये बरसात' गीत वाली फिल्म-३
२२. मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
२३. 'मैं तुझसे मिलने' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
२४. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'समंदर' में पूनम का नायक?-२
२७. शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
२९. 'चल प्रेमनगर जायेगा' गीत वाली रणीधीरकपूर, बबीता की फिल्म-३
३०. 'ये जो हल्का हल्का सुरूर है' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, तब्बू, रीमा सेन की एक फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'नाच मेरी बुलबुल' गीत वाली राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२
२. मिथुन, रति अग्निहोत्री की 'ऐ देखो इधर' गीत वाली फिल्म-३
३. इंतहा हो गई' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
४. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. 'यार बदल ना जाना' गीत वाली अक्षय, करीना की फिल्म-३
६. एलबम 'तेरा चेहरा' का गायक-४,२
९. निर्मात्री-नायिका पूजा भट्ट व शरद कपूर की एक फ्लॉप फिल्म-३
१०. 'जोगी मत जा' गीत वाली दिलीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-३
११. दिलीप, मनोज, वहीदा की 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
१३. अमिताभ, जया की 'दीवाने हैं दीवानों को' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल दीवाने का' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
१८. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सुनता जा' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२०. अनिलकपूर, तब्बू, पूजा बत्रा की 'पायलें झूमें' गीत वाली फिल्म-४
२१. प्रदीप कुमार, नर्गिस की 'यूँ हसरतों के दाग' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'फूल माँगूँ ना बहार' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1964

सूडोकु -1965

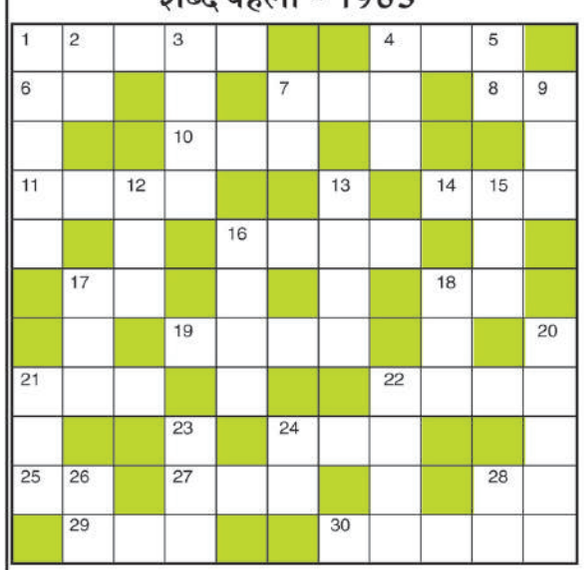

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु -1964 का हल

शब्द पहेली - 1965

बाएँ से दाएँ

1.उड़ीसा का शहर जहां इस्पात फैक्ट्रियां हैं-5
4.कराह,टीस,लालसा-3
6.हानि,आपत्ति-2
7.दुश्मनी,बैर-3
8.इंसाफ-2
10.साठवीं जयंती-3
11.जलाऊ लकड़ी-4
14.छोटा भाई-3
16.निरंकुश,आवारा-4
17.ठाठ-बाट-2
18.आफत,मुसीबत-2
19.शैतानी,बदमाशी-4
21.सहायता-3
22.इच्छा,लालसा-4
24.कवि,गजलकार-3
25.जरा,थोड़ा-2
27.मुलायम,नाजुक-3
28.गुफा,खोह-2
29.प्रियतम,सनम-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.सार्वजनिक मार्ग, आम रास्ता-5
2.उत्साह.शक्ति-2
3.बिना बाल वारा,गंजा-4
4.पंक्ति,लाइन-3
5.लड़की,पुत्री,बेटी-2
7.वहम,संदेह-2
9.जुड़वा-3
12.प्रतिज्ञा,कसम-3
13.गंगा का पानी-4
15.तीखा,तीक्ष्ण-3
16.आतुर,धैर्यहीन-4
17.संभवतः-3
18.मर्कट,कपि-3
20.गोविंदा,खुशबू की फिल्म-5
21.पानी रखने का चमड़े का पात्र-3
22.मनोकामना -4
23.साजन,प्रेमी-3
24.संध्या,सांझ-2
26.आनंद-2
28.महीना,मास-2

शब्द पहेली - 1964 का हल

ऑस्ट्रेलियन ओपन : मैग्डेलेना को हराकर पहुंची क्वार्टर फाइनल में पहुंची कोको गॉफ

मेलबर्न । अमेरिकी टेनिस स्टार कोको गॉफ महिला एकल मुकाबले में मैग्डेलेना फ्रेच को सीधे सेटों में 6-1, 6-2 से हराकर पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। आज यहां खेले गए मुकाबले में कोको ने बेहतर तकनीक और जोश का शानदार मुजाहिरा करते हुए एक घंटे तीन मिनट में मैग्डेलेना को 6-1, 6-2 से हराया। कोको का अगला मुकाबला पहली बार ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनलिस्ट यूक्रेन की माटर कोस्तयुक से होगा। कोस्त्युक ने किआ एरेना में क्वालीफायर मारिया टिमोफीवा को 6-2, 6-1 से हराकर अंतिम आठ में पहुंची है। इसके साथ ही कोको ने सत्र में अपनी जीत के क्रम को जारी रखा है। अमेरिकी खिलाड़ी ने वर्ष के पहले सप्ताह में अपने ऑकलैंड खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया और अब 2024 में अब तक 9-0 शुरुआत को बरकरार रखा है।

टाटा स्टील मास्टर्स राउंड 5 - 6: गुकेश की लगातार दूसरी जीत जॉर्डन को भी हराया

नीदरलैंड। 86वें टाटा स्टील सुपर ग्रांड मास्टर्स शतरंज के छठे राउंड में भारत के ग्रांड मास्टर डी गुकेश नें एक और शानदार जीत दर्ज करते हुए टूर्नामेंट में शानदार वापसी की है ,तीसरे और चौथे राउंड में हार के बाद गुकेश नें पांचवें राउंड में विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर रूस के यान नेपोमनिशी को मात दी थी और अब उन्होने मेजबान नीदरलैंड के यौर्डन वान फॉरेस्ट को पराजित करते हुए अपने आप को ख़िताबी जीत की दौड़ में शामिल कर लिया है । काले मोहरो से खेलते हुए गुकेश नें स्कॉच ओपनिंग में बेहद आक्रामक अंदाज में 45 चालों में जीत दर्ज की । भारतीय खिलाड़ियों में आर प्रज्ञानन्दा नें रूस के यान नेपोमनिशी से तो विदित गुजराती नें विश्व महिला शतरंज चैम्पियन चीन की जू वेंजून से ड्रॉ खेला । अन्य मुकाबलों में फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा नें चीन के वे यी को मात दी तो नीदरलैंड के मैक्स वार्मेर्दन नें जर्मनी के अलेक्जेंडर दोनचेंको को मात दी तो नीदरलैंड के अनीश गिरि नें ईरान के परहम मघसूदलू तो चीन के विश्व चैम्पियन डींग लीरेन नें उज़्बेक्सितान के अब्दुसत्तोरोव नोदिरबेक से बाजी ड्रॉ खेली ।6 राउंड के बाद अनीश 4.5 , अलीरेजा 4 अंक बनाकर पहले दो स्थान पर चल रहे है जबकि भारत के डी गुकेश और प्रज्ञानन्दा , अब्दुसत्तोरोव , डिंग , वे यी और मैक्स 3.5 अंक बनाकर खेल रहे है ।

एएफसी एशियन कप : सऊदी अरब राउंड 16 में, थाईलैंड के आगे बढ़ने की उम्मीदें बरकरार

दोहा। सऊदी अरब ने एएफसी एशियन कप में नौ खिलाड़ियों वाले किर्गिस्तान पर 2-0 से जीत दर्ज कर राउंड 16 में प्रवेश किया। अहमद बिन अली स्टेडियम में 39,557 प्रशंसकों के सामने, तीन बार के चैंपियन सऊदी अरब ने ग्रुप एफ में छह अंकों के साथ लगातार दूसरी जीत हासिल की।इससे पहले रविवार को, थाईलैंड ने ओमान के साथ गोल रहित ड्रॉ खेला और ग्रुप में चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जिससे नॉकआउट चरण में आगे बढ़ने की उसकी उम्मीदें बढ़ गईं। साहस और तीव्रता के साथ खेलते हुए, किर्गिस्तान ने मैच की जोरदार शुरुआत की, लेकिन केवल नौ मिनट के बाद 10 खिलाड़ियों तक सीमित हो गया जब एज़ार अकमातोव को लाल कार्ड दिखाया गया। सऊदी अरब ने 35वें मिनट में मोहम्मद कन्नो के गोल की बदौलत 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। किर्गिस्तान की मुश्किलें दूसरे हाफ के छह मिनट बाद और बढ़ गईं जब किमी मर्क को भी हसन अल तम्बाकती की चुनौती के बाद लाल कार्ड दिखाया गया। गेंद पर नियंत्रण और संख्यात्मक लाभ में प्रभुत्व के साथ, सऊदी अरब को गोल करने के कई मौके मिले, लेकिन वे किर्गिस्तान की दृढ़ रक्षा पंक्ति से पार नहीं पा सके। सऊदी अरब के लिए दूसरा गोल सामान्य समय ख़त्म होने से छह मिनट पहले हुआ।

श्यामली सिंह ने 'ब्रेन ट्यूमर' से जूझने के बाद मुंबई मैराथन में जीता कांस्य पदक

मुंबई। पश्चिम बंगाल की श्यामली सिंह ने सभी बाधाओं को पार करते हुए टाटा मुंबई मैराथन में कांस्य पदक जीता जबकि कुछ साल पहले उनके 'ब्रेन ट्यूमर' का ऑपरेशन हुआ था। चार साल पहले इसी प्रतियोगिता में श्यामली ने 42 किलोमीटर की दूरी के आधे रास्ते में उल्टी की शिकायत की थी।

उनके पति संतोष सिंह और उन्होंने पाया कि ऐसा लगातार हो रहा था। अलग अलग अस्पतालों कई जांच के बाद उन्हें समस्या का कारण पता चला जो 'ब्रेन ट्यूमर' था।

संतोष ने 'गोल्ड लेबल रेस' के 19वें चरण के बाद मीडिया को बताया, 'उसने टीसीएस रेस में भाग लिया और रजत पदक जीता। फिर उसने मुंबई में हिस्सा लिया। 25- 26 किलोमीटर के बाद वह उल्टी करने लगी। मस्तिष्क पर दबाव बढ़ जाता था लेकिन हमें नहीं पता था।' पिछले कुछ वर्षों में उन्हें काफी वित्तीय संकट का सामना करना पड़ा। इसका खुलासा करते हुए संतोष ने कहा कि लेकिन श्यामली अपने लक्ष्य पर डटी रहीं और खुद में सुधार करती रहीं। संतोष ने कहा, 'उसके ऑपरेशन के दौरान मैंने विधायक से लेकर मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री तक सभी को मेल किया, लेकिन मुझे कहीं से कोई जवाब नहीं मिला।'

श्यामली को फिर से अपने पैरों पर खड़ा होने में कुछ समय लगा लेकिन वह खुश है कि उसे सही डॉक्टर मिला जो अब भी उनकी सेहत पर नजर रखता है। संतोष ने कहा, 'जिस डॉक्टर ने सर्जरी की थी, उन्हें भरोसा था कि वह फिर से दौड़ना शुरू कर देगी और उसने दौड़ना भी शुरू कर दिया।'

भारत के खिलाफ श्रृंखला में नहीं खेलेगा इंग्लैंड का यह बल्लेबाज, निजी कारणों से स्वदेश लौटा

लंदन। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने घोषणा की कि हैरी ब्रूक भारत के खिलाफ पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला में नहीं खेलेंगे क्योंकि मध्यक्रम का यह बल्लेबाज निजी कारणों से तुरंत स्वदेश लौट जाएगा। ईसीबी ने कहा कि वह गुरुवार से हैदराबाद में शुरू होने वाली श्रृंखला के लिए ब्रूक की जगह किसी अन्य खिलाड़ी के नाम की घोषणा करेगा। इस श्रृंखला से पहले अभ्यास शिविर के लिए ब्रूक टीम के साथ अबुधाबी पहुंचे थे। ईसीबी के बयान के अनुसार, 'हैरी ब्रूक व्यक्तिगत कारणों से तुरंत स्वदेश लौटने को तैयार है। वह श्रृंखला के लिए भारत नहीं लौटेंगे। इसमें कहा गया, 'ब्रूक का परिवार इस दौरान निजता का सम्मान करने का अनुरोध करता है। ईसीबी और परिवार मीडिया और जनता से अनुरोध करते हैं कि वे उनकी इस इच्छा का सम्मान करें और उनकी निजता में हस्तक्षेप करने से बचें। इसके अनुसार, 'इंग्लैंड के चयनकर्ता आने वाले समय में दौरे के लिए उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी के नाम की पुष्टि करेंगे। ब्रूक ने अपना टेस्ट पदार्पण 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किया था। इंग्लैंड के लिए उनका आखिरी मैच जुलाई 2023 में ओवल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ था। यॉर्कशर के इस 24 वर्षीय बल्लेबाज ने अब तक 12 टेस्ट खेलकर चार शतक और सात अर्द्धशतक से 1181 रन बनाए हैं।

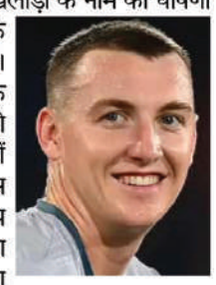

इंडिया ओपन फाइनल में हारे सात्विक-चिराग, कैंग-सियो बने चैंपियन

नई दिल्ली। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी को कैंग मिन ह्युक और सियो सेयुंग जेइ की दक्षिण कोरिया की विश्व चैंपियन जोड़ी के खिलाफ रविवार को यहां पुरुष युगल फाइनल में पहला गेम जीतने के बावजूद हार के साथ इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा।

सात्विक और चिराग की एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी को फाइनल में कैंग और सियो की दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी के खिलाफ एक घंटा और पांच मिनट में 21-15, 11-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा जिससे यह जोड़ी दूसरी बार इंडिया ओपन का खिताब जीतने में सफल रही। विश्व चैंपियन कैंग और सियो के खिलाफ अच्छी शुरुआत करने के बाद भारतीय जोड़ी ने लय गंवा दी और लगातार सहज गलतियां की जिसका खामियाजा मेजबान देश की जोड़ी को खिताब गंवाकर चुकाना पड़ा।

भारत और कोरिया की जोड़ी के बीच शुरुआत से ही कड़ी टक्कर देखने को मिली। सात्विक और चिराग ने पहले तीन अंक शटल को नेट के पार कराने में नाकाम रहने के कारण गंवाए। सात्विक में शुरुआत में काफी गलतियां की जिससे कैंग और सियो को कुछ आसान अंक मिले। खेल की गति काफी तेज थी इसलिए गलती की गुंजाइश भी काफी कम थी। सात्विक और चिराग ब्रेक तक 11-9 से आगे रहे। ब्रेक के बाद भारतीय जोड़ी ने स्कोर 13-9 किया और फिर बढ़त बरकरार रखते हुए इसे 18-13 किया। चिराग के स्मैश से भारतीय जोड़ी ने छह गेम प्वाइंट हासिल किए। कोरिया की जोड़ी ने एक अंक बचाया लेकिन फिर चिराग के शॉट को वापस भेजने में नाकाम रही जिससे सात्विक-चिराग ने पहला गेम 18 मिनट में 21-15 से जीत लिया। दूसरे गेम में कोरिया की जोड़ी ने बेहतर शुरुआत करते हुए 5-1 की बढ़त बनाई। चिराग ने अपने तूफानी स्मैश से दो अंक जुटाकर स्कोर 4-6 किया। सात्विक और चिराग ने इस बीच कुछ शॉट बाहर और नेट पर मारे जिससे कैंग और सियो ब्रेक तक 11-5 की मजबूत बढ़त बनाने में सफल रहे। सात्विक और चिराग गलतियों पर अंकुश नहीं लगा पा रहे थे और कोरिया की जोड़ी ने लगातार नौ अंक के साथ स्कोर 16-5 किया और फिर आसानी से गेम जीतकर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया। तीसरे और निर्णायक गेम में भी सात्विक और चिराग ने लगातार सहज गलतियां की जिससे कैंग और सियो ने 6-3 की बढ़त बनाई। सात्विक और चिराग ने कई शॉट नेट पर और बाहर मारे जबकि विरोधी जोड़ी को नेट से पीछे भी नहीं धकेल पाए। कोरियाई जोड़ी ब्रेक तक 11-6 से आगे रही। भारतीय जोड़ी ने ब्रेक के बाद वापसी करते हुए स्कोर 10-12 किया लेकिन कोरिया की जोड़ी लगातार अंक जुटाकर बढ़त बरकरार रखने में सफल रही। कोरिया की जोड़ी ने दो चैंपियनशिप प्वाइंट हासिल किए जब सात्विक ने शटल को बाहर मार दिया और फिर चिराग ने नेट पर शॉट मारकर खिताब कैंग और सियो की झोली में डाल दिया।

'मुझे विश्वास है कि वह ठीक हो जाएंगे', केन विलियमसन की चोट पर गैरी स्टीड ने दिया अपडेट

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने सोमवार को केन विलियमसन की चोट के बारे में खुलासा किया और उन्हें विश्वास है कि बल्लेबाज 4 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट शुरू होने से पहले ठीक हो जाएगा। पिछले हफ्ते कीवी कप्तान को हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ न्यूजीलैंड की टी20आई श्रृंखला के आखिरी तीन मैचों से बाहर कर दिया गया था।

विलियमसन के बारे में बात करते हुए स्टीड ने कहा कि ट्रेनिंग पर वापस आने से पहले उन्हें दो दिन और लगेंगे। उन्होंने कहा कि यह 'मामूली परेशानी' थी जो 33 वर्षीय खिलाड़ी को पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान झेलनी पड़ी। उन्होंने कहा, 'मुझे विश्वास है कि वह ठीक हो जाएगा। शायद उसे प्रशिक्षण शुरू करने से पहले एक या दो दिन का समय मिलेगा और यह एक छोटी सी परेशानी थी, जो अच्छी बात है। इसलिए हम इसे बढ़ाना नहीं चाहते हैं कि हमने उसे उपलब्ध होने का हर मौका दिया है।'

न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज 4 फरवरी से शुरू होगी और 13 फरवरी को खत्म होगी। पहला टेस्ट मैच बे ओवल में खेला जाएगा। सेडॉन पार्क दूसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा।

कुश्ती : रवि कुमार दहिया ने ग्रैंड प्रिक्स डी फ्रांस 2024 में जीता कांस्य पदक

नीस। टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता रवि कुमार दहिया ने ग्रैंड प्रिक्स डी फ्रांस हेनरी डेग्लेन 2024 कुश्ती टूर्नामेंट में कांस्य पदक जीता है। शनिवार को फ्रांस के नीस में पुरुषों के 61 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में भारत के स्टार पहलवान रवि दहिया ने कजाकिस्तान के कैरात अमिरतायेव के खिलाफ 10-4 से जीत दर्ज की। दहिया पहले मिनट में 2-4 से पिछड़ गए लेकिन उन्होंने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए मुकाबला जीत लिया। इससे पहले दहिया ने 16वें राउंड में तकनीकी श्रेष्ठता (13-2) के आधार पर जर्मनी के जूलियन ज़न्सिर को हराया, उसके बाद क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान के जंगार काबिलबेकोव को 12-6 से हराया। हालाकि, भारतीय पहलवान को सेमीफाइनल में फ्रांस के अरमान एलॉयन के खिलाफ 6-3 से हार का सामना करना पड़ा और वह कांस्य पदक मुकाबले में पहुँच गए। उल्लेखनीय है कि रवि कुमार दहिया ने आखिरी बार अंतरराष्ट्रीय मंच पर 2022 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा की थी। फरवरी में अभ्यास के दौरान उनके दाहिने घुटने में चोट लगने के बाद उन्हें अप्रैल 2023 में एशियाई चैंपियनशिप से बाहर कर दिया गया था। जुलाई 2023 में एशियाई खेलों के लिए राष्ट्रीय ट्रायल के दौरान रवि कुमार दहिया की चोट बढ़ गई और उन्हें शेष वर्ष अभियान से बाहर होना पड़ा।

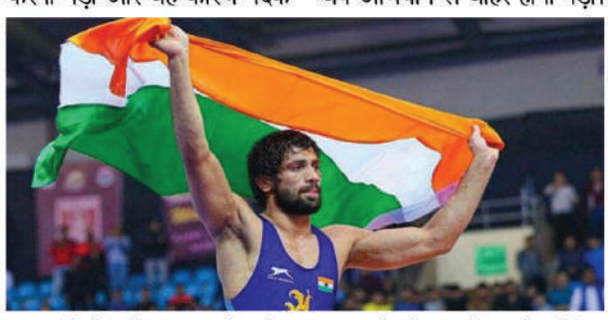

वह बेलग्रेड में हुई पेरिस ओलंपिक के क्वालीफाइंग विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाये थे। आगामी अभियानों में रवि कुमार दहिया के 61 किग्रा से 57 किग्रा भार वर्ग में आने की उम्मीद है। वह अप्रैल में किर्गिस्तान में एशियाई ओलंपिक गेम्स क्वालीफायर और मई में तुर्की में विश्व ओलंपिक क्वालीफायर में प्रतिस्पर्धा कर सकते है।

इंग्लैंड की 'बैजबॉल' का सामना करने के लिए हमारे पास 'विराटबॉल' है : सुनील गावस्कर

नई दिल्ली। महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने कहा कि 25 जनवरी से हैदराबाद में शुरू होने वाली पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला में इंग्लैंड की 'बैजबॉल' का सामना करने के लिए भारत के पास 'विराटबॉल' मौजूद है।

इंग्लैंड के बल्लेबाज अब बहुत ही आक्रामक शैली में खेलते हैं जो उनके मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम के खेलने के तरीके से जुड़ा है। गावस्कर ने कहा, 'विराट कोहली जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं, उनका मूवमेंट अच्छा है। वह जिस फॉर्म में हैं, उसे देखते हुए 'बैजबॉल' का सामना करने के लिए हमारे पास 'विराटबॉल' मौजूद है।'

कोहली टेस्ट क्रिकेट में 9000 रन बनाने वाले खिलाड़ियों के क्लब में जुड़ने से महज 152 रन दूर हैं। वह इस आगामी श्रृंखला में भारत की मुख्य कड़ी होंगे। उनके नाम 113 मैच में 29 अर्धशतक और 30 शतक हैं। गावस्कर ने कहा, 'हां, पारी को बढ़ाने का मतलब अर्धशतक से ज्यादा शतक होना है। कोहली के पास शतक और अर्धशतक समान ही हैं, इसका मतलब है कि उनकी अर्धशतक को शतक में तब्दील करने की गति काफी अच्छी है।' उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड ने पिछले एक दो साल में टेस्ट क्रिकेट में नया रवैया (बैजबॉल) अपनाया है। यह काफी आक्रामक रवैया है जिसमें बल्लेबाज हमेशा तेजी से रन जुटाने की कोशिश करता है। परिस्थितियां भले ही कैसी भी हों, वे हमेशा आक्रामक क्रिकेट खेलना पसंद करते हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय स्पिनरों के खिलाफ यह रवैया कारगर होता है या नहीं।'

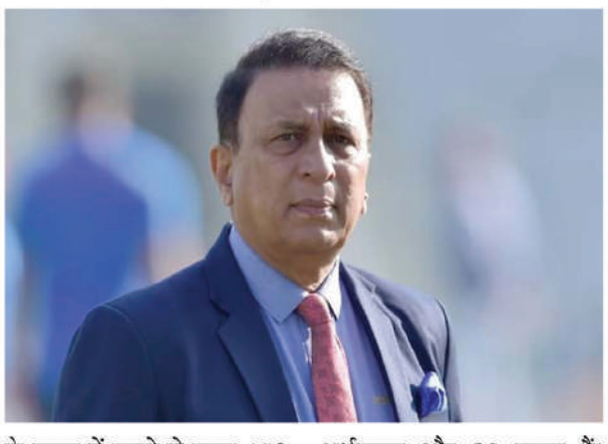

वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम की घोषणा, मैक्सवेल-रिचर्डसन बाहर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ 13 सदस्यीय वनडे टीम की घोषणा की जिसमें ग्लेन मैक्सवेल को आराम दिया गया और झाय रिचर्डसन चोट के कारण बाहर हो गए। हालांकि युवा बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क और अनकैप्ड स्पीडस्टर जेवियर बार्टलेट को ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम में चुना गया है।

ऑस्ट्रेलिया के सबसे प्रतिभाशाली बल्लेबाजों में से एक माने जाते 21 वर्षीय फ्रेजर-मैकगर्क ने ऑस्ट्रेलिया में इस सीजन की शुरुआत में मार्श कप में 29 गेंदों में विश्व-रिकॉर्ड शतक लगाया और मैक्सवेल की जगह ली। मौजूदा बिग बैश लीग (बीबीएल) में फ्रेजर-मैकगर्क मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए खेल रहे हैं, जहां उन्होंने पहला प्रथम श्रेणी शतक बनाया और 158.64 की स्ट्राइक रेट के साथ 257 रन बनाए। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार मैक्सवेल को वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20आई से पहले कार्यभार का प्रबंधन करने के लिए आराम दिया गया था। डेविड वार्नर के संन्यास के बाद मैट शॉर्ट को ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए ओपनिंग करने का मौका मिलने की संभावना है। इस बीच लांस मॉरिस ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं।

ऑल-फॉर्मेट ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड को तीन वनडे मैचों के लिए आराम दिया गया है। टीम में कमिंस की अनुपस्थिति में स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ कैरेबियन के खिलाफ टीम का नेतृत्व करेंगे। इस बीच ऑलराउंडर मिशेल मार्श को भी 50 ओवर की सीरीज के लिए आराम दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज क्रमशः ब्रिस्बेन, सिडनी और कैनबरा में 2 फरवरी से शुरू होकर 6 फरवरी तक चलेगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम :

स्टीवन स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मार्नस लाबुशेन, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, लांस मॉरिस, मैट शॉर्ट, एडम जम्पा

शोएब मलिक से परेशान थी सानिया मिर्जा, क्रिकेटर की बहनों ने किया खुलासा

नई दिल्ली। पाकिस्तान के दिग्गज ऑलराउंडर शोएब मलिक ने सानिया मिर्जा से तलाक के बाद सना जावेद से शादी कर ली है। शनिवार को शोएब मलिक ने अपने सोशल मीडिया पर इस खबर को साझा करते हुए तस्वीरें भी शेयर कीं। हालांकि शोएब के इस फैसले से सभी हैरान हैं। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार शोएब की दुसरी शादी में उनके परिवार का कोई भी सदस्य शामिल नहीं हुआ था।

एक्सट्रामैरिटल अफेयर्स से परेशान थीं सानिया

पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार शोएब मलिक और सानिया मिर्जा के बीच तलाक की खबरें पहले से ही सामने आ रही थीं। शोएब की बहनों ने भी इस खुलासे की पुष्टि की और बताया कि सानिया उनके भाई के एक्सट्रामैरिटल अफेयर्स से परेशान थीं।

इसके अलावा सानिया मिर्जा ने शोएब मलिक से तलाक लेने का फैसला किया था। हालांकि दोनों में से किसी ने भी कभी इस बात की पुष्टि नहीं की थी। तलाक की खबरों से दोनों हमेशा इंकार ही करते आ रहे थे, लेकिन शोएब मलिक की तीसरी शादी सानिया ने तलाक की पुष्टि कर दी है।

सानिया मिर्जा शोएब से ले चुकी हैं खुला

शोएब मलिक की शादी के बाद भारतीय पूर्व टेनिस स्टार सानिया मिर्जा के पिता ने कहा कि सानिया शोएब से खुला ले चुकी हैं। खुला के अंतर्गत पत्नी अपने पति की अनुमति के बिना तलाक ले सकती है। शोएब और सानिया की शादी साल 2010 में हैदराबाद में हुई थी। वहीं 2018 में दोनों माता-पिता बने थे। उनका पांच साल का एक बेटा है। वे दोनों दुबई में रहते थे।

शोएब और सना की शादी

शोएब का सना जावेद से तीसरा निकाह है। सानिया मिर्जा से पहले उन्होंने आयशा सिद्दीकी निकाह किया था। सना पाकिस्तानी एक्ट्रेस हैं और कई पाकिस्तानी टीवी सीरियल्स और फिल्मों में काम कर चुकी हैं। सना भी तलाकशुदा हैं और उनकी यह दूसरी शादी है। इससे पहले सना ने पाकिस्तान सिंगर उमैर जायसवाल से 2020 में शादी की थी जो दो महीने ही चला था।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 23 जनवरी 2024 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

टीम इंडिया की जर्सी बनाने वाले ने बनाए राम लला के वस्त्र

टीम एक्शन इंडिया/दिल्ली

अयोध्या में राम लला विराजमान हो गए। सोमवार को भगवान के बाल रूप की प्राण प्रतिष्ठा हुई। रामलला की मूर्ति की बेहद खास तस्वीरें सामने आई हैं। शृंगार युक्त मूर्ति में भगवान के पूरे स्वरूप को देखा जा सकता है। तस्वीर में राम लला माथे पर तिलक लगाए बेहद सौम्य मुद्रा में दिख रहे हैं। इससे पहले श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के सचिव चंपत राय ने मंदिर को दिव्य, भव्य और सुंदर बनाने में गिलहरी समान योगदान देने वालों का भी उल्लेख किया था। आइए जानते हैं रामकाज करने वाले चेहरों को... जिस मूर्ति की सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा हुई उसे मूर्तिकार अरुण योगीराज ने बनाया है। इससे पहले श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अधिकारियों ने जानकारी दी थी कि जिस मूर्ति का चयन हुआ उसमें बालत्व, देवत्व और एक राजकुमार तीनों की छवि दिखाई दे रही है।

अरुण योगीराज मैसूर महल के प्रसिद्ध मूर्तिकारों के परिवार से हैं। वह अपने परिवार की पांचवी पीढ़ी के मूर्तिकार हैं। उनके पिता योगीराज शिल्पी भी एक बेहतरीन मूर्तिकार हैं और दादा बसवन्ना शिल्पी को मैसूर के राजा का संरक्षण हासिल था। अरुण योगीराज ने मैसूर विश्वविद्यालय से एमबीए की पढ़ाई पूरी की और करियर की शुरूआत एक प्राइवेट कंपनी में काम करके की। बाद में वह अपने अंदर के मूर्तिकार को रोक न सके और नौकरी छोड़कर 2008 में मूर्तिकला के क्षेत्र में काम करना शुरू किया। अरुण योगीराज ने इससे पहले दिल्ली के इंडिया गेट पर अमर जवान ज्योति स्थल के पीछे स्थापित सुभाष चंद्र बोस की 30 फीट ऊंची प्रतिमा बनाई थी। इस मूर्ति को भव्य छतरी के नीचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्थापित किया था। इसके अलावा केदारनाथ धाम में स्थापित आदि शंकराचार्य की 12 फीट ऊंची प्रतिमा भी अरुण योगीराज ने ही बनाई है। साथ ही मैसूर में 21 फीट ऊंची हनुमान प्रतिमा को भी उन्होंने ही तराशा था। वर्तमान में अरुण योगीराज देश के सबसे अधिक व्यस्त मूर्तिकारों में से एक माने जाते हैं।

राजस्थान के सत्यनारायण पांडेय ने रामलला के बाल स्वरूप की तीन में से एक मूर्ति तैयार की है।

एतिहासिक मंदिरों में दिन भर चला धार्मिक अनुष्ठान

टीम एक्शन इंडिया/हमीरपुर

श्रीराम जन्मभूमि में सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा समारोह सम्पन्न होने के बाद यहां हमीरपुर जिले में मंदिरों और सार्वजनिक स्थानों पर दिन भर सुन्दरकांड पाठ और रामनाम का जाप का दौर चलता रहा। वही भंडारे में प्रसाद लेने के लिए हजारों लोगों की भीड़ भी जुटी। शाम होने से पहले श्रीराम की शोभायात्रा भी निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं और रामभक्तों ने जय श्रीराम के

नारे लगाए। पूरे शहर में भगवा ध्वज लगाए गए है। वही सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों में बिजली की झालरें लगाई गई है।

भीषण सर्दी के बीच यहां हमीरपुर में एतिहासिक चौरादेवी, बड़े मंदिर और बाला जी मंदिर समेत तमाम धार्मिक स्थलों में सुन्दरकांड का पाठ किया गया। चौरादेवी मंदिर में तो इक्कीस कुंडीय यज्ञ की धूम मची जहां हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया। रमेड़ी मुहाल में भाजपा के वरिष्ठ नेता राजीव शुक्ला ने बालाजी मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान कराया। मंदिर प्रांगण में श्रीराम जन्मभूमि में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का लाइव प्रसारण भी एलईडी के जरिए दिखाया गया। यहां धार्मिक आयोजन की धूम शाम तक मची रही। बाद में भंडारे में दिव्य प्रसाद का वितरण कराया गया। चंदन शुक्ला ने मंदिर में विशेष पूजा भी की। इधर, सुभाष बाजार में महावीर मंदिर में भी प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए। सुन्दरकांड का पाठ कराने के साथ रामनाम का जाप भी रामभक्तों ने किया। मंदिर में अखंड ज्योति भी जलाई गई है।

प्रधानमंत्री ने देश को आध्यात्मिक शक्ति के रूप में जोड़ने का काम किया: बिप्लब देब

टीम एक्शन इंडिया/चंडीगढ़

हरियाणा भाजपा प्रदेश प्रभारी बिपल्ब कुमार देब ने अयोध्या में राम जन्मभूमि पर नवनिर्मित मंदिर में रामलला के विराजमान होने पर कहा कि आज का दिन इतिहास के पन्नों पर स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। भाजपा प्रभारी देब सोमवार को भिवानी जिले के सिवानी के ग्राम झुम्पा कलां में आयोजित श्रीराम महोत्सव एवं खादी संवाद बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जैसे करिश्माई नेता के नेतृत्व में देशवासी इस गौरवशाली क्षणों के साक्षी बने हैं। देब ने रामलाल विराजमान होने पर देशवासियों को बधाई दी। देब ने प्रधानमंत्री मोदी का भी कोटि-कोटि आभार जताया। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी भाग्यशाली है, जिन्हें नरेन्द्र मोदी जैसा प्रधानमंत्री मिला, जिनके नेतृत्व में सभी ने पांच सौ साल बाद राम मंदिर बनने के सपने को सच होते देखा। इससे पहले बिप्लब देब ने यहां अयोध्या से रामलला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का सभी के साथ बैठकर लाइव भी देखा। प्रधानमंत्री का उद्बोधन सुनने के बाद प्रदेश प्रभारी देब ने कहा कि यह हमारे देश के इतिहास में एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है। जिसकी हम 500 वर्षों से अधिक समय से प्रतीक्षा कर रहे थे। हमें अपने जीवनकाल में यह अनुभव करने का अवसर मिला इसके लिए हम बहुत सौभाग्यशाली हैं।

सबसे पहले राम मंदिर के दरवाजे राजीव गांधी ने खोले: हुड्डा

टीम एक्शन इंडिया/रोहतक

आस्था के प्रतीक

8 पूर्व सीएम बोले भगवान राम को किसी पार्टी से नहीं जोड़ना चाहिए, सबके लिए पूजनीय व श्रद्धा के केंद्र

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भगवान राम सभी की आस्था के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि सबसे पहले राम मंदिर के दरवाजे राजीव गांधी ने खोले थे, केंद्र में कांग्रेस सरकार थी और राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे। उन्होंने कहा कि इन्हीं के शासन के दौरान सालों से बंद पड़े मंदिर के दरवाजे खोले गए थे। राजीव गांधी ने बीर बहादुर सिंह के साथ तालमेल कर मंदिर के ताले खुलवाए और जिसके बाद 9 नवंबर, 1989 में अयोध्या में शिलान्यास हुआ। भगवान राम को किसी पार्टी से नहीं जोड़ना चाहिए, वह सबके लिए पूजनीय व श्रद्धा के केंद्र हैं, इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। वे सोमवार को बार एसोसिएशन के कार्यक्रम में पहुंचे।

इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि बीजेपी-जेजेपी जनता की उम्मीदों और अपने चुनावी घोषणापत्र को लागू करने में पूरी तरह विफल साबित हुई हैं। यही वजह है कि आज कोई भी वर्ग इस गठबंधन सरकार से खुश नहीं है। हरियाणा में चुनाव के लिए कांग्रेस पूरी तरह तैयार है। पार्टी पिछले पांच साल से लगातार जनता के बीच जा रही है। कांग्रेस सदन से लेकर सड़क तक जनता की आवाज उठा रही है। लेकिन बीजेपी-जेजेपी सत्ता सुख भोगने में लगी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आने वाली सरकार कांग्रेस की होगी और कांग्रेस अपने घोषणापत्र में किए गए हर एक वादे को पूरा करेगी। जबकि बीजेपी-जेजेपी ने चुनावी घोषणाओं के नाम पर सिर्फ जनता के साथ धोखा किया है। बुजुर्गों को 5100 पेंशन, 75: नौकरियों में आरक्षण, एमएसपी की गारंटी, किसानों की डबल आय, हर परिवार को पक्का मकान देने जैसे तमाम वादे झूठ साबित हुए।

हिमाचल प्रदेश में शुरू हुआ भारत-किर्गिस्तान का युद्धाभ्यास 'खंजर'

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

प्रशिक्षण स्कूल

8 यह अभ्यास दोनों पक्षों को रक्षा संबंध मजबूत बनाने का मौका देगा, भारत का प्रतिनिधित्व पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल) के सैनिक करेंगे

भारत-किर्गिस्तान का 11वां संयुक्त विशेष बल अभ्यास 'खंजर' हिमाचल प्रदेश के बकलोह स्थित विशेष बल प्रशिक्षण स्कूल में सोमवार से शुरू हो गया है। यह अभ्यास 3 फरवरी तक चलेगा। यह अभ्यास दोनों देशों में बारी-बारी से हर साल आयोजित किया जाता है। अभ्यास में 20 कर्मियों वाले भारतीय सेना के दल का प्रतिनिधित्व पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल) के सैनिक कर रहे हैं। इसी तरह किर्गिस्तान के दल में 20 कर्मियों का प्रतिनिधित्व स्कॉर्पियन ब्रिगेड कर रहा है। इस अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय-श्क्क के अंतर्गत निर्मित क्षेत्र तथा पर्वतीय इलाकों में आतंकवाद विरोधी और विशेष बलों के संचालन का आदान-प्रदान करना है। यह अभ्यास विशेष बल के कौशल की उन्नत तकनीकों को विकसित करने पर बल देगा।

प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक क्षण का गवाह बने हैं: साय

टीम एक्शन इंडिया/

आज माता शबरी के पवित्र धाम शिवरीनारायण की पावन भूमि पर प्रभु श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर आप सभी को गाड़ा-गाड़ा बधाई और शुभकामनाएं। आज हम सब प्रत्यक्ष रूप से अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक क्षण का गवाह बने हैं। हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में यह शुभ कार्यक्रम संपन्न हुआ, उनके साथ सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत, उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, वहां की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और लाखों संतों की उपस्थिति में यह कार्यक्रम हुआ है। आज हम सबने प्राण प्रतिष्ठा की सम्पूर्ण प्रक्रिया को देखा और भगवान श्रीराम की अलौकिक बाल प्रतिमा के दर्शन भी किए हैं। हमने प्रधानमंत्री जी को भी विस्तार से सुना है। आज हमारे छत्तीसगढ़ का बड़ा सौभाग्य है, छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का ननिहाल है, माता कौशल्या की जन्मभूमि है।